हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 जुलाई, 1976

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 5 जुलाई, 1976

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)1
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)35

अध्यक्ष द्वारा घोशणाएं –	
(i) सभापतियों की तालिका	(1)46
(ii) याचिका समिति	(1)46
अध्यक्ष द्वारा सदन में समितियों के प्रतिवेदन पेश करना –	
(i) वर्श 1975–76 क लिए लोक लेखा समिति का नौंवां प्रतिवेदन	(1)47
(ii) वर्श 1975–76 के लिए प्राक्कलन समिति का आठवां प्रतिवेदन	(1)47
(iii) वर्श 1975–76 के लिए सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति का सातवां प्रतिवेदन	(1)47
(iv) वर्श 1975–76 के लिए अधीनस्थ विधान समिति का आठवां प्रतिवेदन	(1)48
अनुपस्थिति की अनुमति	(1)48
सचिव द्वारा घोशणा	(1)49
शोक प्रस्ताव	(1)50–64

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 5 जुलाई, 1976

विधान सभा की बैठक हरियाणा विधान सभा हाल विधान भवन सैक्टर–1, चंडीगड में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौ. सरूप सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

चौ. शिव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं पूछ लूं अगर आपकी आज्ञा हो तो?

Mr. Speaker: Yes, I have got the authority letter from the hon. Member, Ch. Ram Lal.

Residential Plots Allotted to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes in the State.

***1599. Ch. Ram Lal Wadhwa**: Will the Minister for Revenue be pleased to state –

(a) the district-wise number of residential plots allotted to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes, separately, in the State of Haryana during the years from 1968 to 1976 (todate), year-wise, separately;

(b) the district-wise number of persons, if any, out of those referred to in part (a) above, who were already in possession of these residential plots before allottment; and

(c) the district-wise number of persons as referred to in part (a) above, in whose names the registration deeds for such plots have been executed?

State Minister for Agriculture & Revenue (Ch. Surjit Singh Mann):

(a) Statement-I is laid in the Table of the House.

(b) New plots have been allotted to eligible persons. However, there may be a rare case, where an eligible person was already in possession of the plot.

(c) Statement-II is laid on the Table of the House.

Statement-I

Name of District	Years 1968-69				Year 1975				Year 1976				Grant Total			
	S/C	S/T	B/C	Total	S/C	S/T	B/C	Total	S/C	S/T	B/C	Total	S/C	S/T	B/C	Tota
2	3				4				5				6			
Ambala					4097		2747	6844	159		37	196	4256		2784	704
Kurukshetra					6330		2745	9075	32			32	6362		2745	910
Karnal					20502		14860	35362	290		199	489	20792		15059	358
Sonepat					7869		5602	13471					7869		5602	134
Rohtak					9095		3414	12509	3784		2101	5885	12879		5515	183
Hissar					16914		5995	22909					16914		5995	229
Bhiwani					5882		2160	8042	565		171	736	6447		2331	877
Sirsa					9513		3129	12642					9513		3129	126
Gurgaon					9587		10545	20132	511		592	1103	10098		11137	212

Mohindergarh					5592		2649	8241	135		123	258	5727		2772	849
Jind					891		336	1227	9201		4595	13796	10092		4931	150
Total					96272		54182	150454	14677		7818	22495	110949		62000	172

S/C= Scheduled Castes

B/C=Backward Classes

S/T= Scheduled Tribes

Statement-II

Sr. No.	Name of District	Number of Registration Deeds executed for plots allotted (other than Consolidation operations)			
		Scheduled Castes	Scheduled Tribes	Backward Classes	Total
1	Ambala	2463			2463
2	Kurukshetra	101		63	164
3	Karnal	4062		2012	6074
4	Sonepat	216			216
5	Rohtak	2924		1218	4142
6	Hissar	1844		467	2311
7	Bhiwani	3051		1016	4067
8	Sirsa				
9	Gurgaon	4332		2419	6751
10	Mohindergarh	692		213	905
11	Jind				
	Total	19685		7408	27093

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि शेडयूल्ड कास्टस का नम्बर देने में क्या रूकावट है?

चौ. सुरजीत सिंह मान: इस वक्त तक हमने 110949 प्लाटस हरिजनों को दिए हैं।

चौ. दल सिंह: स्पीकर साहब, गुजारिश यह है कि जवाब लम्बा होने के कारण इस थोड़े से अर्से में हम उसे पढ़ नहीं सकते। क्यों नहीं मिनिस्टर साहब की तरफ से ही उसे हाउस में पढ़कर सुनाया जाता? हम तो अन्जान हैं और जक तक हमें जवाब का पता नहीं होगा हम सप्लीमेंटरी नहीं पूछ सकते।

Mr. Speaker: When the statement is laid on the Table of the House, it means the reply is there. Then the hon. Memb er concerned can put the supplementaries and after hearing the answers, other hon. Members can also put supplementaries.

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): एक बात मैंने अर्ज करनी है। इस क्वैश्चन के पार्ट (बी) का जो जवाब दिया गया है ओर जिसके बारे में वर्मा साहब ने जो सप्लीमैंटरी किया कि नम्बर क्यों नहीं बताया जा सकता इसमें ऐसा है अध्यक्ष महोदय (विघ्न)

राजस्व मंत्री (पंडित चिरंजी लाल शर्मा): 172949 प्लाटस अलाट कर चुके हैं but the number of eligible persons is much more.

श्री बनारसी दास: लेकिन इसमें जो प्रश्न पूछा गया था वह यह है कि इनमें से कितने ऐसे व्यक्ति है जो पहले से काबिज थे। उनको बतलाया गय कि ऐगजैक्ट नम्बर नहीं बतालाया जा सकता लेकिन मैं सदन को विश्वास दिलाऊंगा कि कोई इक्का–दुक्का ही पहले से काबिज था वरना सब नए प्लाटस दिए गए है।

चौ. पीर चन्द: क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे कि जिन लोगों को प्लाटस दिए गए है उनको मकान बनाने के लिए कोई लोन या ग्रांट भी दी जाएगी?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: फिलहाल इनको कोई लोन या ग्रांट दिए जाने की तजबीज नहीं है।

चौ. शिव राम वर्मा: मिनिस्टर साहब ने अभी फरमाया कि कोई लोन या ग्रांट नहीं देंगे। तो यह जो दो साल के अन्दर मकान बनाने वाली बात है क्या इसके बारे में सरकार ने कभी सोचा कि वह कैसे बनेंगे?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: स्पीकर साहब, गुजारिश यह है कि 20 प्वांयट प्रोग्राम के तहत ये प्लाटस दिए गए हैं। उनका मकसद हरिजनों और बैकवर्ड कलासिज के लोगों को धर बनाने के लिए एक तरह से दबाव डालने का था ताकि वे बटौड़े लगाकर, मवेशी बांध कर या छोटे छोटे ओटड़े डालकर अपना कब्जा कर लें और बाद में यह न कह सकें कि हमारा कब्जा चला गया।

चौ. फूल सिंह कटारिया: सपीकर साहब, ये प्लाटस रूरल एरिया में दिए गए हैं। क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे कि अर्बन एरिया में भी क्या इस तरह से प्लाटस देने का सरकार का विचार है?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: यह बात सरकार के विचाराधीन है। फिलहाल यह स्कीम रूररल एरिया तक महदूद थी लेकिन मुख्यमंत्री जी ने इसके बारे में कैबिनेट में डिसकश किया था। इस बात पर विचार किया जा रहा है और यदि शहर में रीजनेबल रेटस

पर जमीन मिल गई तो हो सकता है कि हम नो प्रोफिट ना लौस बेसिज पर वहां भी प्लाटस देने की काोशिश करें।

चौ. दल सिंह: क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि इन्होंने जो प्लाटस दिए हैं उनमें से कितने प्लाटस शामलात देह के दिए हैं और कितने गवर्नमैंट लैंड के दिए है?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: शामलात देह जमीन में से, जिसकी मलकीयत पंचायत मे वैस्ट करती थी, हमने प्लाटस दिए हैं। गवर्नमैंट लैंड में से कोई प्लाट नहीं दिया गया है। जिस गांव में शामलात देह जमीन अवेलेबल नहीं थी वहां कुछ गांव में ऐक्सचेज करके इंडिविजुअल ओनर से अरेंज किया गया और जहां कुछ भी नहीं हो सका वहां हमने डिप्टी कमिश्नरर्ज को 22 लाख रूपया दिया और कहा कि जमीन एक्वायर करके इन लोगों को दी जाए।

चौ. शिव राम वर्मा: मिनिस्टर साहब ने अभी बताय कि मकान बनाने के लिए पैंसा देने की कोई बात सरकार के विचाराधीन नहीं है। क्या वे बताने की कृपा करेंगे कि गारी हरिजनों और गरीब बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को मकान बनाने के लिए कुछ न कुछ देने के लिए सरकार कुछ सोचेगी??

श्री बनारसी दास गुप्त: अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि अभी एक सप्ताह पूर्व ही मैंने अपने अधिकारियों के साथ इस बारे में विचार विमर्श किया है और इस बात पर हम बड़ी गहराई के साथ सोच रहे हैं जिन हरिजनां को प्लाटस दिए गए हैं उनको कुछ न कफद आर्थिक सहायता ऋण के रूप में या ग्रान्ट के रूप में जरूर दी जाए ताकि वे मकान बना सकें। (तालियां) इसके लिए हम योजना

तैयार कर रहे हैं। योजना क्या बन पायेगी, कितनी सहायता दे पांएंगे, उसके बारे में मैं अभी स्पश्ट रूप से नहीं कह सकता लेकिन कुछ न कुछ सहायता देने का प्रबन्ध हम अवश्य करैंगे।

श्री बिहारी लाल बाल्मीकी: स्पीकर साहब, पहले फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और न्यूआउनशिप की अलग–अलग कमेटी थी लेकिन अब इनन तीनों को मिलाकर एक कप्लैक्स बना दिया गया है। इसके साथ ही 17 पंचायतों को मिला दिया। तो क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि इन पंचायतों के हरिजन लोगों को दूसरी जगहों की तरह प्लाटस दिए जाएंगे या उन्हें कहीं प्लाटस से महरूम तो नहीं रखा जाएगा?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: यह मामला सरकार क विचारधीन है क्योंकि वे पंचायतें कम्पलैक्स का हिस्सा बन चुकी हैं और एक तरह से अर्बन एरिया बन चुकी है। अगर कम्पलैक्स अथारिटीज जमीन देने के लिए ऐग्री कर जाएं तो हो सकता है गांव में अन्य जगहों की तरह हरिजनों को प्लाटस दिए जाएं।

चौ. दल सिंह: मिनिस्टर साहब ने अभी बताया था कि डिप्टी कमिश्नर्ज की डिसपोजल पर जमीन एक्वायर करने के लिए 22 लाख रूपये रखे गए थे। तो मैं पूछना चाहता हूं कि उन 22 लाख रूपये में से कितना खर्च किया गया है?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: जिन जिन जिलों में जो जो प्रपोजल्ज आई है कोई 8/9 जिलों से आ चुकी हैं, उनमे ंऐसा लगता है कि 22 लाख रूपया शायद थोड़ा हो और और रूपया देना पड़े, खर्च करने का सवाल ही नहीं उठता।

चौ. पीर चन्द: मिनिस्टर साहब ने अभी फरमाया कि शहरों के अन्दर प्लाटस देने के लिए स्कीम जेरे गौर है। क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे कि जिन हरिजनों के मकान गिरा दिए गए, उनको मकान बनाने के लिए कोई लोन या ग्रांट देने की तजवीज है?

Mr. Speaker: Order Please. This is not a supplementary to this question.

Well the difficulty arises when the hon. Minister rises to reply before allowing me to decide whether it is a supplementary question to the main question or not. This was a policy matter too large too be dealt with in the ambit of a question.

चौ. पीर चन्द: क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि हरिजनों को बसाने की और जिनके मकान गिराए गए .....

श्री अध्यक्ष: मकान गिराए जाएं, गिरा कर बनाए जाएं या जो पलाटस दिएहै उन पर मकान बनाए जाएं, यह एक पालिसी मैटर हैं इसमें काफी खर्चे का सवाल है। स्टेट गवर्नमैंट का फैसला अगर मकान बनाने का होगा तो it iwll come as a policy decision.

चौ. पीर चन्द: सरकार ने ताो खर्चा करना है। इसमें कुद दिक्कत की बात है तो .....

Mr. Speaker: Order Please. Not a supplementary to this question. Please.

चौ. प्रताात सिंह दौलता: क्या आनरेबल मिनिस्टर को मालूम है कि कुछ गांव में हरिजनों को दूसरे गांव की पंचायत में प्लाटस दिए गए जबकि उनके अपने गांव में जमीन अवेलेबल थी?

मिसाल के तौर पर दूबलधन विधायन के हरिजनों को दूबलधन क्रिम्यान में जो कि एक दूसरा गांव है प्लाटस दिए गए जबकि दूबलधन विधायन के पास अपनी जमीन है।

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: स्पीकर साहब, हमारे नोटिस में कोई भी ऐसी शिकातय नहीं आई है क्योंकि गवर्नमैंट की इंस्ट्रक्शन यह थीं कि जिस गांव में, रैवेन्यू ऐस्अेट में हरिजन बसते हैं और वहां शामलात की जमीन अवेलेबल है तो उसमें से उनको प्लाटस दिए जाए। यह बात मेरी समझ में नहीं आई कि ऐसा क्यों हुआ? हो सकता है कि गांव एक हो कागजात माल में लेकिन रैवेन्यू ऐस्टेटस तीन हों, आबादी इक्ट्ठी हो और वजह से वहां जमीन दे दी गई हो।

चौ. प्रताप सिंह दौलता: रैवेन्यू ऐस्टेटस आनररेबल मिनिस्टर साहब तीन हैं।

Share in Ravi Beas Waters

***1609 Chaudhri Mehar Chand**: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the share of Harayana State in the Ravi-Beas waters has been finally decided and if so, the quantum of share that Haryana will get therefrom;

(b) the date by which the work on the carrier channel meant to carry the water falling to the share of Haryana is likely to be started and

(c) the date by which the work referred to in part (b) above is likely to be completed?

State Minister for Irrigation & Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha):

Yes. Share of Harayana in the surplus Ravi-Beas water is 3.5 Million Acre Feet.

The work regarding the acquisition of land portion of the carrier channel in Haryana has been started.

Govenment will try to complete the work in the Haryana portion of the channel in two working seasons.

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): इसके बारे में एक बात ओर ऐड करना चाहता हूं। जैसा कि अभी जवाब दिया गया है कि रावी और ब्यास के सरप्लस पानी का बंटवारा हाो चुका है। उसमें हरियाणा के हिस्से मं 3.5 मिलियन एकड़ फीट निश्चित हुआ है। लेकिन मैं इससे भी आगे एक खुशखबरी सुनाना चाहता हूं कि दरिया के नाम को नापने का एक सीान निश्चित है। ब्यास का पानी नापने का निश्चित स्थान मंडी मैदान है। सन् 1921 से 1945 की औसत ली गई। उस औसत से ब्यास का पानी 11.24 मिलियन एकड़ फीट बना, उसमें से हमें मिलता 3.5 एकड़ मिलियन फीट। अब खुशी की बात यह है कि दोबारा सवे हुआ है। पानी को फिर नापा गया हैं। सन् 1921 से 1959 तक की औसत ली गई, जिसक हिसाब से पानी बनता है 11.98 मिलियन एकड़ फीट। इस औसत के साहब से हमारे हिस्से 3.5 मिलियन एकड़ फीट पानी ज्यादा आयेगा।

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने का कश्ट करैंगे कि हरियाणा की पंजाब के टाइम से ही पानी कम मिला है। हरियाणा घाटे में रहा है, क्या अब इस कमी को पूरा करने के लिए और पानी लेने की कोशिश की जायेगी?

श्री बनारसी दास गुप्ता: अगर आप रावी ब्यास सरप्लस वाटर की बात करते हैं तो इसका तो बंटवारा हो चुका है।

चौ. मेहर चन्द: क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि यह जो चैनल बनेगी इसका काम हरियाणा की जमीन पर शुरू हुआ है या पंजाब की जमीन पर शुरू हुआ है?

श्री बनारसी दास गुप्ता: ऐसा है, अध्यक्ष महोदय, यह जो चैनल बनेगा, यह एक लिंक चैनल कीर्तपुर साहब से म्युनिक तक बनेगी। कीर्तपुर साहब तक एक आनन्दपुर हाइडल चैनल बननी है जो पंजाब सरकार की स्कीम है। हमने भी इस बात का क्लेम किया हुआ है कि जो भी पावर वहां जनरेट हो, इस स्कीम के तहत, उसमें हरियाणा का भी हिस्सा होना चाहिए। लोहान कीर्तपुर साहब से नीचे एक छोटा सा दरिया है, उस जगह से म्युनिक तक लिंक कैनाल बननी है। पहली अलाइनमैंट की प्रोपोजल के मुताबिक तो 209 किलोमीटर लैन्थ बनती है, 106 किलोमीटर हरियणा में और 103 किलोमीटर पंजबा में। लैंड एक्यूजिशन अभी केवल हरियाणा में शुरू हुई है। यह भी निश्चित किया गया है कि दो वरकिंग सीजनज में हरियाणा में काम पूरा कर देंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री जी से हमने बातचीत की है, उन्होंने हमें पूरा आश्वासन दिया है कि वे इस बारे में पूरा सहयोग दैंगे। दूसरे पंजाब क हिस्से में वरकिंग ऐजन्सी वे होंगे

या हम हौंगे, काम हमारे इंजीनियर ने करना है या पंजाब के इंजीनियर ने करना है, वे लैन्ड एक्वायर कब तक करेंगे यह फैसला पंजाब के साथ करना है। हमारी नेगौसिएशन उनके साथ चली हुई है। मुझे आशा है कि बहुत जल्दी ही काम पूरा हो जायेगा।

चौ. दल सिंह: क्या मुख्यमंत्री साहब बतायेंगे कि जो पानी हमें फालतू मिलगा इसको किस तरह से डिस्ट्रिब्यूट किया जायेगा?

श्री बनारसी दास गुप्त: कुछ तो अध्यक्ष महोदय पहले से ही इन्फ्रास्ट्रकचर बना हुआ है। कई नहरें बनायी हैं जैसे लिफ्ट इरीगेशन स्कीम है जो एरिड एरिया में जाती हैं। उनमें कुछ को तो पैरीनियल बना दिया गया है, कुछ पैरीनियल होनी हैं। उनको पैरीनियल बनाने में इस पानी का प्रयोग किया जायेगा। कुछ हमारा वैसट्रन जमना का ओल्ड सिस्टम है। उस एरिया में वाटर अलाउन्स भाखड़ा एरिया के बराबर लाने के लिए इस पानी को यूज किया जायेगा।

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मुख्यमंत्री साहब बतायेंगे कि जो पानी लेने के लिए नहर बनायी जायेगी, इसके बारे में कुछ न कुछ अन्दाजा बता सकते हैं कि हरियाणा में कब तक पानी आ जायेगा?

श्री बनारसी दास गुप्त: अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी निवेदन किया है कि जहां तक हरियाणा के पोरशन का सवाल है उसके लिए हमने निश्चत किया है कि दो वरकिंग सीजन्ज में पूरा कम्पलीट करने की कोशिश करेंगे। पंजाब का काम भी तभी तक पूरा हो जाना चाहिए। लेकिन जब तक पंजाब के साथ हमारी फाइनल

बात नहीं हो जाती उस वक्त तक मैं कोई भी बात कहने के लिए तैयार नहीं हूं।

चौ. मेहर चन्द: क्या मुख्यमंत्री महोदय बतायेंगे कि वाटर अलाउन्स जो ज्यादा होगा इसका कुछ हिस्सा भाखड़ा की किस्मत में भी जायेगा या नहीं?

श्री बनारसी दास गुप्त: भाखड़ा एरिया में जहां पानी की बहुत कमी है वहां भी कोशिश की जायेगी कि कुछ पानी दिया जाये।

Water Supply Schemes in the State

***1610. Chaudhri Dal Singh**: Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) the district-wise names of Water Supply Schemes in the State completed during the calender years 1974, 1975 and 1976, separately;

(b) the total amount spent on the schemes as referred to in part (a) above.

(c) the total number and names of Water Supply Schemes in Jind District where work is in progress as at present together with the date of commeneement of the scheme;

(d) the time by which the schemes as referred to in part (c) above are likely to be completed by; and

(e) the total amount spent or likely to be spent on the shemes meentioned in part (c) above?

गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती शारदा रानी): विवरण जिसमें वांछित सूचना दी गई है सदन की मेज पर प्रस्तुत हे।

विवरण

(ए) वर्श 1974, 75 तथा 1976 के दौरान हरियाणा राज्य में जो जल वितरण योजनायें पूरी हो चुकी हैं उनके नाम अनुबन्ध 'ए' में वर्णित हैं।

(बी) 193.00 लाख रूपये।

(सी) इस समय जींद जिले में 6 जल वितरण योजनाओं पर कार्य हो रहा है। इन 6 सकीमों के नाम तथा आरम्भ करने की तिथि निम्न प्रकार से है:–

1	खटकार (एक गांव की योजना)	12.9.72
2	सिंधवी खेड़ा	27.5.71
3	गतौली (एक गांव की योजना)	1.5.1974
4	जल वितरण योजना सफीदों	12.9.72
5	जल वितरण योजना जींद	15.6.

		1972
6	जल वितरण योजना नरवाला	15.6.72

(डी) कोई निश्चित तिथि नहीं बतलाई जा सकती क्योंकि कार्य का पूरा होना धन की उपलब्धि पर निर्भर है।

(ई) कुल लागतत अनुमान 74त्र84 लाख रूपये है जिसमें से 31.3.1976 तक 44.29 लाख रूपये खर्च किये जा चुके हैं। 73–74 में शुरू हुई है, लेकिन रूपए की कमी की वजह से पूरा हनीं हुई? क्या कारण है कि पहली स्कीमें पूरी नहीं होती है, लेकिन दूसरी स्कीमों पर काम शुरू कर दिया जाता ळै?

श्रीमती शारदा रानी: ऐसा है कि विभिन्न जगहों पर स्टाफ लगा हुआ है। सबको कुछ न कुछ काम बांटा हुआ है। इसलिए हरेक स्कीम के लिए कुछ न कुछ पैसा देना पड़ता है, ताकि सभी स्कीमों पर काम चालू रहे।

चौ. दल सिंह: क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि कसून वाटर सप्लाई स्कीम में जो मैटीरियल लगा है वह बड़ा घटिया लगा है और क्या उसको चैक करवाने के लिए तैयार हैं?

श्रीमती शारदा रानी: अगर हमारे नोटिस में कोई ऐसी बात आएगी कि घटिया मैटीरियल लगा है तो अवश्य कार्यवाही की जाएगी।

Panchayat Bhawan at Faridabad

***1637. Shri K. N. Gulati**: Wil the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether it is a fact that building of Panchayat Bhawan at Faridabad is lying vacant since long; and

(b) the total amount spent on the Panchayat Bhawan Building at Faridabad?

State Minister for Development and Local Government (Chaudhri Gordhan Dass Chauhan):

(a) There is no Panchayat Bhawan at Faridabad.

(b) Question does not arise.

श्री के.एन. गुलाटी: क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो नेहरू कालेज की पुरानी बिल्डिंग के पास एक बिल्डिंग बनी हुई है, वहां एक आदमी भी रहता है, वह कौन सी बिल्डिंग है?

Mr.Speaker: When there is no Panchayat in Faridabad, how can there be any Panchayat Bhawan?

Supply of Water For Drinking Purposes.

***1655 Shri Jagjit Singh Tikka**: Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to supply water for drinking purposes temporarity from Government owened tube-well or M.I.T.C. tube-wells to the villages of Ghari Kotaha, Sultanpur and Rehna in

Tehsil Naraingarh till other arrangements are made by the Public Health Department ; and

(b) if so, the time by which the drinking water is likely to be supplied to the village referred to in part (a) above?

गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती शारदा रानी): (ए) नहीं जो।

(बी) प्रश्न ही नहीं उठता।

श्री जगजीत सिंह टिक्का: स्पीकर साहब पिछले सैशन में चीफ मिनिस्टर साहब ने यह माना था कि जो एम.आई.टी.सी.के टयूबवैल्ज है उनसे पानी दे देंगे परन्तु मिनिस्टर साहिबा ने कहा है कि 'नहीं' दे सकते। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि कौन सा जवाब सही है, कौन सा गलत है?

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): ऐसा है अध्यक्ष महोदय, एम.आई.टी.सी. के डीप टयूबवैल्ज अगर किसी गांव के नजदीक है तो हम इतना प्रबन्ध कर देंगे कि एक छोटी सी टंकी बनवा देंगे और दस–बीस टूटीयां लगवा देंगे। गांवों के लोग वहां से पानी ले सकते हैं। ऐसा हम प्रबन्ध कर सकते हैं।

श्री जगजीत सिंह टिक्का: क्या मंत्री जी यह बतायएंगे कि इस प्रबन्ध करने के लिए हम गांव की तरफ से कोई ऐप्लीकेशन वगैरा दें और वे इस काम को कब तक करवा देंगे क्योंकि इस बारे में दो साल से मामला चल रहा है?

श्री बनारसी दास गुप्त: आप ऐप्लीकेशन दिलवा दीजिए।

चौ. फूल चन्द (मुलाना): क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि पब्लिक हैल्थ की स्कीम के तहत जो टयूबवैल्ज लगते हैं उनमें लाखें रूपए लगते हैं। अगर एम.आई.टी.सी या एस.एफ.डी.ए. वाले उन टयूबवैल्ज से पानी ले लें तो क्या नुक्सान है?

श्री बनारसी दास गुप्त: अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि खाली टयूबवैल लगाने पर इतना रूपया खच्र नहीं होता जितना गांव में सारी गलियों में सारी जगह पाइप–लाइन ले करने में, टूटियां लगाने में खर्च होात है अगर कोई ऐसी सकीम बनाई भी जाए जिसमें कुएं तो एम.आई.टी.सी. के ले लिए जाएं और शेश कार्य दूसरा विभाग करे तो कोई विशेश लाभ नहीं होगा।

Improvement in the Education System

***1660. Chaudhri Shiv Ram Verma**: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether Government has taken any steps to improve the pattern of education for making it purposeful and self-supporting; and

(b) if so, the deatails of the steps taken in this behalf and the time by which the same are likely to be implemented.

शिक्षा व परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्न देवी):

(क) हां।

(ख) राजय में नये शैक्षणिक ढांचे (10 जमा 2 जमा 3) को लागू करने के लिए राज्य स्तर पर एक समिति स्थापित की हुई है।

इस समिति की रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई। फिर भी राज्य सरकार ने अप्रैल, 1976 से कुछ कदम उठाए हैं जो नई शिक्षा पद्धति को बाद में अन्तिम रूप में लागू करने में सहायक सिद्ध होंगे।

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदयया यह बातने का कश्ट करेंगी कि जो रिपोर्ट इन्होंने शिक्षा के बारे में मांगी है कि शिक्षा सर्वोपयोगी हो, लाभदायक हो और विद्यार्थी को अपने पांव पर खड़ा करने वाली, हो तो उस समिति की रिपोर्ट देने में इततनी देर कैसे लग गई और वह रिपोट्र कब तक आने की सम्भावना है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर साहब, वह समिति एक साल के लिए बनाई गई थी, और 6 महीने में उसने रिपोर्ट देनी थी, लेकिन उसी रिपोर्ट नहीं आई। अब उसकी अवधि एक साल के लिए और बढ़ा दी गई है। पहले यह कमेटी 27 जनवरी, 1975 को बनी थी और 27 जनवरी, 1976 तक इसकी टर्म थी लेकिन अब इसकी टर्म 27 जनवरी, 1977 तक के लिए बढ़ा दी गई है। इस कमेटी की रिपोर्ट के आने के बााद ही इस बारे में कुछ कहा जा सकता है।

चौ. फूल चन्द (रोहट): स्पीकर साहब, कहा जाता है कि किसी चीज को डैफर करना हो समिति बना दो। क्या मंत्री महोदया यह बताने का कश्ट करेगी कि जो यह कमेटी बनायी गई है औ जो मामला उउसकी रैफर किया गया है, वह सैंटर मं कितने ही एजुकेशन कमीशन बने, उनमें यह मामला कवर नहीं होगा?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर साहब, कोई भी नई स्कीम चालू करने के लिए यह जरूरी होता है कि उसमें बारीकी के साथ हर

चीज देखी जाए जिससे बाद में कोई कमी न रह जाए। इसलिए समिति बनानी तो जरूरी थी।

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदया, यह बताने की कृपा करेगी कि ऐनक लगाने के बावजूद भी वे बारीकी से नहीं देख पायी, इसलिए क्या उस समिति की रिपोर्ट न आने के बावजूद भी कुछ न कुछ तो कार्यवाही सरकार को करनी चाहिए?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर साहब, जैसे मैंने अभी बताया, इस साल से लड़कों के लिए विज्ञान और गणित नवीं क्लास से अनिवार्य कर दिया गया है। इस काम के लिए हमने 1300 विज्ञान के और 500 गणित के टीचर्ज की ट्रेड भी किया है।

श्री गणपत राय: यह कहा गया है कि इसी वर्श से 10 जमा 2 जमा 3 का सिस्टम शिक्षा पद्धति में लागू हो जाएगा। क्या मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि या तो ऐसा उस कमेटी की रिपोर्ट आने से पूर्व ही कर दिया गया या फिर इसे लागू करना नहीं चाहते?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर साहब, ऐसा किया गया है कि जब तक भी वह स्कीम लागू हो, वह मददगाार हो सके, इसलिए लड़कों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है और लड़कियों के लिए दो साल की छूट दे दी गई।

Irrigation Canals, Lift Irrigation Schemes and other Irrigation projects

***1660. Chaudhri Ram Lal Wadhwa**: Will the Chiel Minister be pleased to state-

(a) the total number and names of Irrigation Canals, Lift Irrigation Schemes and other Irrigation projects constructed in the State during the period from May, 1968 to-date together with the dates when the construction was started and completed in each case, separtely ;

(b) the amount spent on each of the Schemes/Project as referred to in part (a) above together with the area irrigated by each during the period mentioned above; and

(c) the sources of water for these projects as referred to in part (a) above?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha:

(a) Total No. of Irrigation Canals, Lift Irrigation Schemes and other projects constructed in the State during the period 5/68 to-date:87

Other details are placed on the table of the House as per Annexure.I

(b) Total amount spent on all projects as referred to in part (a) above. Rs. 10884.54 Lakhs.

Other details are placed on the table of the House as per Annexure.II

(c) Source of water for Canals/Lift Irrigation Schemes and other Irrigation Projects:-

(a) River Jumna, (b) Bharka Reservation, (c) Augmentation Tube-wells, Direct Irrigation Tubewells, (d) Surplus Ravi Beas Water, (e) Flood water of drains and torrents.

ANNEXURE-1

Sr. No.	Name of Scheme	Year of start	Year of completion
1	2	3	4
Name of Irrigation Canals, Lift Irrigation Schemes & other Irrigation Projects			
1	W.J.C. Remodelling Project	1951-52	In progress.
2	Gurgaon Canal Project	1960	In progress.
3	Rewari Lift Irrigation Scheme	1959-60	In progress.
4	W.J.C. Feeder project	1960-61	1971-72
5	Jui Canal project	1969-70	OCt. 1971
6	Increasing Capacity of jui Canal & Construction of additional Minors	1972-73	In progress
7	Raising Capcity of Bibipur Lake	1970-71	In progress.
8	Indira Gandhi Lift Irrigation Scheme	1970-71	In progress.
9	B.N.C. Lift Irrigation	1971-72	In progress.

	Scheme		
10	Remodelling Delhi Branch & Delhi Disty.	1972-73	In progress.
11	Lining Hansi Branch 0 to 50	1972-73	Advance state of completion
12	Munak Canal and Munak Regulator	1973-74	In progress.
13	Remodelling butana Branch & Sunder Sub Br.	1973-74	Advance state of completion
14	Construction of Head Regulator at Dedupur	1973-74	Advance state of completion
15	J.L.N. Lift Irrigation Scheme including Jhajjar Lift Scheme.	1972-73 & 1974-75	In progress.
16	Augmentation Canal Project	1970-71	Advance state of completion
17	Scheme for use of glood waters for surface irrigation of chargig saline G/W Belt.	1974-75	In progress.
18	Nagal ift Irrigation Scheme	1975-76	In progress.
19	Remodelling chautang system for increasing rice cultivation	1970-71	In progress.
20	constructing Garhi Sissana Minor extension from RD	28-6-1975	In progress.

	6887 to 13750		
21	Constructing Lath Minor RD. O-18500	3/1970	3/1972
22	Constructing Paharipur Minor RD. O-8500	3/1971	7/1972
23	Constructing Ludana Minor RD. O-11500	12/1971	11/75
24	Extension of Bali Minor RD. 30750-34000	3/1970	3/1971
25	Extension of Rabra Minor RD. 3000-6750	3/72	10/72
26	Extension of Madina Minor RD. 18870-29000	3/72	2/73
27	Extension of Shamlo Minor RD. 23000-28240	3/72	10/73
28	Extension of Mali Minor RD. 8874-21500	1/75	In progress.
29	Constructing of Sirsa Parallel Distry.	1/72	7/72
30	Constructing Pagan Sub Minor from RD. O-5403	1/75	7/75
31	Extension of Kanchana Mr. RD. 9257 to 18527	1/69	2/71
32	Extension of Shamdo Minor RD. 69000-73000	3/74	10/74

33	Extension of Alawa Minor RD. 23000-29000	3/70	3/72
34	Extension of Rajaund Distry. Minor RD. 141300 to 252500	11/69	10/70
35	Extension of Sangri Minor RD. 5000 to 12000	1/68	9/69
36	Constructing Moda Khera Minor RD. O-50000	12/72	2.5.74 (completed upto rd 37000-
37	Constructing durjanpur Minor ED. O-20400	8/73	2/74
38	Constructing chirod Minor from RD. O-5940	12/74	3/75
39	Constructing Talwandi Rukka Minor RD. O-5700	12/73	8/74
40	Constructing New Mochiwala Mr. RD. O-16400	12/73	10/74
41	Constructing New Bhattu Minor RD. O-6000	12/74	11/75
42	Extentions of Faridpur Minor from RD. 6577-58000	2/72	completed & running upto RD 28500
43	Extension of khera khari Disty. from RD. 13000	12/71	6/73

44	Extension o Gawar Minor from RD. 9196-12500	10/71	2/72
45	Constructing I-L Dang Minor RD. 0-8000	8/66	2/74
46	Constg. of kairu Minor from RD. 0-85000	1/67	3/74
47	Constg. & Extension of Khanak Mr. RD. 26222-35922	8/67	11/73
48	Constg. Alakpur Minor ED. 0-31699	1/68	3/71
49	Constg. of new Malwa Minor RD. 0-3302	12/74	4/75
50	Constg. of Tigrana Sub Minor RD. 0-7000	4/73	10/75
51	Constg. & Lining of Sui Sub Mr. RD.0-14000	2/75	3/76
52	Constg. of Naurangabad Minor RD.0-7000	1/73	10/73
53	Constg. Phoolpura Mr. RD. O-12000	4/72	4/73
54	Constg. Phogat Mr. RD. O-7500	6/72	4/73
55	Extension of Bhurtana Mr. from RD. 54047-tail	11/66	11/73

56	Extension of Bhagana Minor	3/75	10/75
57	Extension of gujrani Mr. RD. 81000-88000	12/74	6/75
58	Lining of Haluwas Mr. RD. O-31500	1/71	5/75
59	Lining of Dang Mr. RD. 71300 to 80250	1/75	1/76
60	Extension of Tigrana Sub Mr. from RD. 7000-9000	11/75	3/76
61	Extension of Talu Minor from RD. 53000-61000	11/75	5/76
62	Extension of Bhogat Mr. from RD. 7500 to 10500	11/75	2/76
63	Extension of Balyali Mr. from RD. 29705-35000	11/75	2/76
64	Extension & Lining of Rajpura Sub Mr. R.D. 65000 to 16000	1/76	In progress
65	Rainsing F.S.L. by lining of Manhera Minor RD. Head to Tail	1/76	In progress
66	Const. I-L Chang Minor	2/76	In progress
67	Extension of Gurjani Minor RD 88000-90000	5/76	In progress

68	Const. Raju Minor RD. O-21214	12/72	In progress
69	Lining of Sanga Minor RD. O-35993	1/71	In progress
70	Extension & Lining Bhagesri Mr. Rs. O-14550	12/74	3/76
71	Extension of Dang Minor rs. 80250-88000	1/75	1/76
72	100 Augmentation Tubewells along Narwana Branch	7/1971	4/1973
73	100 Augmentation Tubewells along Delhi Parallel Branch	3/1972	12/1973
74	110 Augmentation Tubewells along Bhakra Main Branch and Ratia Branch	11/1972	1/1974
75	225-direct Irrigatin Tubewells in Naraingarh area	4/70	In progress
76	100 Augmentation Tubewells along Narwana Branch Karnal Link	10/71	In progress
77	68 Augmentation Tubewells along Hansi Branch	12/73	In progress

78	100 Augmentation Tubewells in Faridabad Tubewell Feeder channel	8/73	In progress
79	150-Direct Irrigation T/wells in Ambala area	4/72	In progress
80	60-Direct Irrigation T/wells in Bilaspur area	10/72	In progress
81	50-Direct Irrigation T/wells in Ballabgarh Palwal area	4/70	In progress
82	50-Direct Irrigation T/wells in Loharu area	8/73	In progress
83	40-Direct Irrigation T/wells in Raipur Rani area	7/74	In progress
84	59-Direct Irrigation T/wells in in Sahibi Nadi area	4/73	In progress
85	100-Direct Irrigation T/wells in Ghaggar Belt area	12/74	In progress
86	43-Direct Irrigation T/wells in Krishana wati area	4/72	In progress
87	168-Tubewells along Augmentation Canal	1971-72	In progress

ANNEXURE-II

Sr. No.	Name of scheme	Up to date	Area irrigated in acres						
			1969-70	70-71	71-72	72-73	73-74	74-75	75-76
		Rs. in lacs							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	W.J.C. Remodelling Project	1004.57	14.31000	14.41000	15.09000	14.83.000	1683000	1654000	1772000
2	Gurgaon Canal Project	1085.41	16563	17569	17998	24086	25223	87840	38999
3	Rewari Lift Irrigation Scheme	76.18	Included in WJC Remodelling at S.No. 1 above						
4	W.J.C. Feeder project	329.63	This is only a carrier channel						

5	Jui Canal project	279.48		633	6459	11108	12984	14512	18888
6	Increasing Capacity of jui Canal & Construction of additional Minors	237.30	Included in at S.No. 5 above						
7	Raising Capcity of Bibipur Lake	154.15	No separtely booked and is included in Bhakra Canal system.						
8	Indira Gandhi Lift Irrigation Scheme	1650.82			4254	13279	20838	25441	30370
9	B.N.C. Lift Irrigation Scheme	1427.30				3482	11056	15428	17397
10	Remodelling Delhi Branch & Delhi Disty.	462.36	Included in Remodelling at S.No. 1 above						
11	Lining Hansi Branch 0 to 50	285.15	It is a carrier channel						

12	Munak Canal and Munak Regulator	326.64	It is a carrier channel						
13	Remodelling butana Branch & Sunder Sub Br.	213.37	Included in WJC System at Sr. No. 1 above.						
14	Construction of Head Regulator at Dedupur	93.51	It is a regulattor only.						
15	J.L.N. Lift Irrigation Scheme including Jhajjar Lift Scheme.	912.93					4066	1208	3167
16	Augmentation Canal Project	1332.72	It is a carrier channel						
17	Scheme for use of glood waters for surface irrigation of chargig saline G/W	12.00	No direct irrigation from this scheme.						

	Belt.								
18	Nagal ift Irrigation Scheme	10.77							
19	Remodelling chautang system for increasing rice cultivation	4.81	This scheme is for increasing water allowance of existing channel from 5 Cs. % 0 acres to 10 Cs. %0 acres of CCA. No additional irrigation is proposed in the project.						
20	constructing Garhi Sissana Minor extension from RD 6887 to 13750	0.71	The work is progress and no irrigation has been started so far.						
21	Constructing Lath Minor RD. O-18500	1.87				1604	2250	2418	2473
22	Constructing Paharipur Minor RD. O-8500	0.83					452	391	591
23	Constructing	0.80					4762	6426	4696

	Ludana Minor RD. O-11500								
24	Extension of Bali Minor RD. 30750-34000	0.11			218	275	327	303	485
25	Extension of Rabra Minor RD. 3000-6750	0.07			345	683	670	780	
26	Extension of Madina Minor RD. 18870-29000	0.23					1858	1543	1554
27	Extension of Shamlo Minor RD. 23000-28240	0.04				414	478	499	567
28	Extension of Mali Minor RD. 8874-21500	1.37							

29	Constructing of Sirsa Parallel Distry.	0.84				9540	9763	8940	9921
30	Constructing Pagan Sub Minor from RD. O-5403	0.10							269
31	Extension of Kanchana Mr. RD. 9257 to 18527	0.17			1551	1787	2371	1863	2230
32	Extension of Shamdo Minor RD. 69000-73000	0.17					804	788	1190
33	Extension of Alawa Minor RD. 23000-290000.11	0.10			1258	1293	1783	1429	1585
34	Extension of Rajaund Distry. Minor RD. 141300	0.11			2497	2424	3151	2498	2729

	to 252500								
35	Extension of Sangri Minor RD. 5000 to 12000	0.10			3628	3194	4109	3142	3752
36	Constructing Moda Khera Minor RD. O-50000	7.34						671	1797
37	Constructing durjanpur Minor ED. O-20400	1.17						870	1323
38	Constructing chirod Minor from RD. O-5940	0.69						543	627
39	Constructing Talwandi Rukka Minor RD. O-5700	0.19						359	1402
40	Constructing New	0.69							2827

	Mochiwala Mr. RD. O-16400								
41	Constructing New Bhattu Minor RD. O-6000	0.50							217
42	Extentions of Faridpur Minor from RD. 6577-0.4358000	1.25							4891
43	Extension of khera khari Disty. from RD. 13000	0.06						1725	1671
44	Extension o Gawar Minor from RD. 9196-12500	0.60						675	408
45	Constructing I-L Dang Minor RD. 0-	21.82	173	175	11	228	270	298	379

	8000								
46	Constg. of kairu Minor from RD. 0-85000	0.99	104	203	78	476	1803	2702	5744
47	Constg. & Extension of Khanak Mr. RD. 26222-35922	1.45	26	75	45	24	1368	634	1408
48	Constg. Alakpur Minor ED. 0-31699	0.04				6357	8831	6945	9909
49	Constg. of new Malwa Minor RD. 0-3302								586
50	Constg. of Tigrana Sub Minor RD. 0-7000	2.00							1152
51	Constg. & Lining of								2444

	Sui Sub Mr. RD.0-14000								
52	Constg. of Naurangabad Minor RD.0-7000	0.88					221	625	1244
53	Constg. Phoolpura Mr. RD. O-12000	1.14					870	1390	1674
54	Constg. Phogat Mr. RD. O-7500	0.96					833	590	752
55	Extension of Bhurtana Mr. from RD. 54047-tail	2.99	37	130	34	259	883	782	1646
56	Extension of Bhagana Minor	0.24				5967	5860	6718	6072
57	Extension of gujrani Mr. RD. 81000-88000	0.15							

58	Lining of Haluwas Mr. RD. O-31500	10.80					1642	1294	2303
59	Lining of Dang Mr. RD. 71300 to 80250	1.71					1594	1552	2530
60	Extension of Tigrana Sub Mr. from RD. 7000-9000	0.58							
61	Extension of Talu Minor from RD. 53000-61000	0.91							
62	Extension of Bhogat Mr. from RD. 7500 to 10500	0.26							
63	Extension of Balyali Mr. from RD. 29705-35000	0.15							

64	Extension & Lining of Rajpura Sub Mr. R.D. 65000 to 16000	1.15							
65	Rainsing F.S.L. by lining of Manhera Minor RD. Head to Tail	6.12							
66	Const. I-L Chang Minor	0.05							
67	Extension of Gurjani Minor RD 88000-90000	0.10							
68	Const. Raju Minor RD. O-21214	0.79							
69	Lining of Sanga Minor RD. O-35993	5.06							

70	Extension & Lining Bhagesri Mr. Rs. O-14550	2.27					707	878	811
71	Extension of Dang Minor rs. 80250-88000								
72	100 Augmentation Tubewells along Narwana Branch	56.01		No direct inrrigation from the scheme.					
73	100 Augmentation Tubewells along Delhi Parallel Branch	70.16		No direct inrrigation from the scheme.					
74	110 Augmentation Tubewells along Bhakra Main Branch and Ratia Branch	76.92		No direct inrrigation from the scheme.					

75	225-direct Irrigatin Tubewells in Naraingarh area	197.02		3800	4400	4000	11400	16400	15500
76	100 Augmentation Tubewells along Narwana Branch Karnal Link	55.74		No direct inrrigation from the scheme.					
77	68 Augmentation Tubewells along Hansi Branch	49.9		No direct inrrigation from the scheme.					
78	100 Augmentation Tubewells in Faridabad Tubewell Feeder channel	94.36		No direct inrrigation from the scheme.					
79	150-Direct Irrigation T/wells in Ambala area	121.25				650	6200	9300	10370

80	60-Direct Irrigation T/wells in Bilaspur area460	39.65					230	1700	4520
81	50-Direct Irrigation T/wells in Ballabgarh Palwal area	27.38					460	1100	1390
82	50-Direct Irrigation T/wells in Loharu area	30.20					60	345	246
83	40-Direct Irrigation T/wells in Raipur Rani area	4.36						560	685
84	59-Direct Irrigation T/wells in in Sahibi Nadi area	25.67					120	1850	1462
85	100-Direct Irrigation T/wells	30.76					900	2100	1646

	in Ghaggar Belt area								
86	43-Direct Irrigation T/wells in Krishana wati area	21.32		940	180	640	600	1680	1624
87	168-Tubewells along Augmentation Canal								

चौ. शिव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा कि हमं जब वह स्टेटमैंट जो आान दी टेबल आफ दी हाउस ले होती है, वह ही नहीं मिली तोा हम सप्लीमैंट्री क्या करें? जब हमें यह पता ही नहीं कि क्या जवाब है तो हम सप्लीमैंट्री क्या करें? इसलिए अगर ऐसा प्रबन्ध कर दिया जउए कि सभी सदस्यों को स्टेटमैंट की कापी मिला करे तो आपकी बहुत कृपा होगी। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कायदे के मुताबिक जिस मैम्बर का सवाल हो उसको आधा घंटा पहले वह सप्लाई होती है जो स्टेटमैंट यहां हाउस में ले होती है।

चौ. शिव राम वर्मा: लेकिन वह सप्लाई हुई तो नहीं?

Mr. Speaker: You are not the member directly concerned, you are only indirectly concerned. I received the authority letter just before I came to this House.

चौ. शिव राम वर्मा: लेकिन जब वह अधिकार मुझे मिल गया तो मुझे अब तो समझ लेना चाहिए। कल से मिलनी शुरू हो जाए तो अच्छा है।

Mr. Speaker: Certainly.

Cases of Rapes, Abduction and Murders

***1611 Ch. Dal Singh**: Will the Minister be pleased to state –

(a) the total number of women belonging to Scheduled Castes and Backward Classes, if any who were reported to be raped, abducted and murdered in the State since 1st July, 1974

to 31st Match, 19786, alongwith teh names of villages and police stations to which they belong;

(b) the number of culprits involved in the cases as referred to in part (a) above; and

(c) the number of cases pending in courts as on 31-3-76?

गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती शारदा रानी):

(क) 90 बलात्कार–44 कत्ल–10 अपहरण–36 जिन गांवों तथा पुलिस स्टेशनों से ये केसिज सम्बन्धित हैं, वे संलग्न विवरण (अनुलग्नक–1) में दर्शाए गए हैं।

(ख) 153

(ग) 56

विवरण

1	मंडासी पुलिस स्टेशन, सिरसा।
2	डरबो पुलिस स्टेशन, सिरसा।
3	माजरा पुलिस स्टेशन फतेहाबाद, जिला हिसार।
4	माजरा पुलिस स्टेशन फतेहाबाद, जिला हिसार।
5	मसीता पुलिस स्टेशन डबवाली, जिला सिरसा।
6	गोसवा पुलिस स्टेशन रतिया, जिला हिसार।

7	माताना पुलिस स्टेशन फतेहाबाद, जिला हिसार।
8	कुण्डावास पुलिस स्टेशन फतेहाबाद, जिला हिसार।
9	लालोड़ पुलिस स्टेशन टोहाना, जिला हिसार।
10	पोखल पुलिस स्टेशन हथिन, जिला हिसार।
11	गारही पुलिस स्टेशन सदन गुडगांव, जिला गुडगांव।
12	टाऊन न. 2 पुलिस स्टेशन एन.आई.टी. फरीदाबाद, जिला गुडगांव।
13	पलवल पुलिस स्टेशन पलवल, जिला गुड़गांव।
14	सिकरी पुलिस स्टेशन बल्लभगढ, जिला गुड़गांव।
15	नई बस्ती गुड़गांव।
16	शमशाबाद पुलिस स्टेशन पलवल, जिला गुड़गांव।
17	सौंध पुलिस स्टेशन हसनपुर, जिला गुड़गांव।
18	राठारा पुलिस स्टेशन नूंह जिला गुड़गांव।
19	मदोठी पुलिस स्टेशन, जिला रोहतक।
20	छीरी पुलिस स्टेशन मेहम, जिला रोहतक।
21	बहनी पुलिस स्टेशन मेहम, जिला रोहतक।
22	मदीना पुलिस स्टेशन मेहम, जिला रोहतक।

23	खुंगाई पुलिस स्टेशन झज्जर, जिला रोहतक।
24	महमूदपुर माजरा पुलिस स्टेशन बेरी, जिला रोहतक।
25	शहजादपुर पुलिस स्टेशन घरौंडा, जिला करनाल।
26	इसानपुरा पुलिस स्टेशन पानीपत, जिला करनाल।
27	नीलोखेड़ी पुलिस स्टेशन बुटाना, जिला करनाल।
28	सीतागढ़, पुलिस स्टेशन निसिग, जिला करनाल।
29	खेड़ी नारू पुलिस स्टेशन सदन, करनाल।
30	नीलोखेड़ी पुलिस स्टेशन जी.आर.पी. करनाल, जिला करनाल।
31	खाजपुर पुलिस स्टेशन उरलाना, जिला करनाल।
32	निवरी पुलिस स्टेशन पानीपत, जिला करनाल।
33	करकोली पुलिस स्टेशन समालखा, जिला करनाल।
34	सतारी पुलिस स्टेशन छापर, जिला अम्बाला।
35	रायवाली पुलिस स्टेशन नारायणगढ़, जिला अम्बाला।
36	जानधरी पुलिस स्टेशन सदन अम्बाला, जिला अम्बाला।
37	गनौली पुलिस स्टेशन घचरोली, जिला अम्बाला।
38	दारा पुलिस स्टेशन नारायणगढ़, जिला अम्बाला।

39	कुम्हारहटी पुलिस स्टेशन, कालका, जिला अम्बाला।
40	खड़कपुर पुलिस स्टेशन, सिटी यमुनानगर, जिला अम्बाला।
41	अम्बाला सिटी पुलिस स्टेशन अम्बाला, जिला अम्बाला।
42	अघोईया पुलिस स्टेशन मुल्लाना, जिला अम्बाला।
43	घुलियाना, जिला अम्बाला।
44	माजरी पुलिस स्टेशन नारायणगढ़, जिला अम्बाला।
45	बावयाल पुलिस स्टेशन मुल्लाना, जिला अम्बाला।
46	जातूसाना पुलिस स्टेशन जातूसाना, जिला महेन्द्रगढ़।
47	रिवाड़ी पुलिस स्टेशन, रिवाड़ी जिला महेन्द्रगढ़।
48	नारनौल पुलिस स्टेशन नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़।
49	साहलावास पुलिस स्टेशन साहलावास, जिला महेन्द्रगढ़।
50	जींद पुलिस स्टेशन, जिला जीन्द।
51	जिमारी पुलिस स्टेशन रजौद, जिला जीन्द।
52	निघानी पुलिस स्टेशन, जीन्द।
53	खतकार पुलिस स्टेशन, उचाना, जिला जीन्द।
54	धाबी टेक सिह पुलिस स्टेशन कलियात, जिला जीन्द।
55	मामनाबाद पुलिस स्टेशन सफीदों, जिला जीन्द।

56	खुबरू पुलिस स्टेशन गन्नौर, जिला सोनीपत।
57	माई पुलिस स्टेशन गन्नौर, जिला सोनीपत।
58	जिवाना पुलिस स्टेशन गोहाना, जिला सोनीपत।
59	खेड़ी मंगत राय पुलिस स्टेशन, राई, जिला सोनीपत।
60	भावार पुलिस स्टेशन बड़ौदा, जिला सोनीपत।
61	रसोई पुलिस स्टेशन राई, जिला सोनीपत।
62	गरनी उचाला खां पुलिस स्टेशन गन्नौर, जिला सोनीपत।
63	सिटी सोनीपत पुलिस स्टेशन, जिला सोनीपत।
64	गोहाना पुलिस स्टेशन गोहाना, जिला सोनीपत।
65	सिटी सोनीपत पुलिस स्टेशन, जिला सोनीपत।
66	गोहाना पुलिस स्टेशन गोहाना, जिला सोनीपत।
67	भोला पुलिस स्टेशन गन्नौर, जिला सोनीपत।
68	सिटी सोनीपत पुलिस स्टेशन, जिला सोनीपत।
69	मन्दोरा पुलिस स्टेशन राई, जिला सोनीपत।
70	गरोद पुलिस स्टेशन खरखेदा, जिला सोनीपत।
71	सुवासरा पुलिस स्टेशन लोहारू, जिला भिवानी।
72	खेड़ा पुलिस स्टेशन भिवानी खेड़ा, जिला भिवानी।

73	भिवानी पुलिस स्टेशन, सिटी भिवानी।
74	ककराली पुलिस स्टेशन बदसा, जिला भिवानी।
75	शामकलां पुलिस स्टेशन बादड़ा, जिला भिवानी।
76	अलामपुर पुलिस स्टेशन, तोशाम, जिला भिवानी।
77	सुकवनी पुलिस स्टेशन, शाहबाद, जिला कुरूक्षेत्र।
78	टिक पुलिस स्टेशन, कैथल, जिला कुरूक्षेत्र।
79	पुण्ड्री पुलिस स्टेशन, पुण्ड्री, जिला कुरूक्षेत्र।
80	जाखल पुलिस स्टेशन, पुण्ड्री जिला कुरूक्षेत्र।
81	फरल पुलिस स्टेशन, पुण्ड्री जिला कुरूक्षेत्र।
82	यारा पुलिस स्टेशन लाडवा, जिला कुरूक्षेत्र।
83	नारपर पुलिस स्टेशन, कैथल, जिला कुरूक्षेत्र।
84	कुलाना पुलिस स्टेशन गुहला, जिला कुरूक्षेत्र।
85	सिटी सिरसा पुलिस स्टेशन सिरसा, जिला सिरसा।
86	माथ डोडो पुलिस स्टे ान डबवाली, जिला सिरसा।
87	जामल पुलिस स्टेशन सदन, जिला सिरसा।
88	सकता खेड़ा, पुलिस स्टेशन डबवाली, जिला सिरसा।
89	पोहरकर पुलिस स्टेशन रानिया, जिला सिरसा।

90	पक्का शादियां पुलिस स्टेशन बारा गुडा, जिला सिरसा।

चौ. दल सिंह: मिनिस्टर साहबा ने फरमाया है कि 36 अपहरण हुए हैं। मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि इन 36 केसिज में से कितने केसिज में औरतों को रिकवर कर लिया गया।

श्रीमती शारदा: 36 केसिज में से 26 केसिज में चालान किए जा चुके हैं, जिनमें से 4 केसिज में सजा हुई, 4 में अपराधी छूट गए और 18 केसजि अभी तक कोर्ट में पैंडिग पड़े हैं। दो केस कैन्सिल कर दिए गए और दो अनट्रैस्ड हैं और 6 अन्डर–इनवेस्टीगेशन है।

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मिनिस्टर साहबा यह फरमाने की कृपा करेंगे कि सारा अख्तियार पुलिस को ही है, या इनको भी कुछ अख्तियार है? अगर आपके नोटिस में कुछ लाया जाए तो क्या उस पर कुछ कार्यवाही करते हैं या नहीं?

श्रीमती शारदा रानी: हमारे नोटिस में जो कुछ आता है, उस पर ीाी कार्यवाही करते हैं और जो कुछ पुलिस को पता चलता है, उस पर भी कार्यवाही करते है।

चौ. दल सिह: स्पीकर साहब, स्टेटमैंट में बताया गया है कि 153 कलप्रिंटस इनवाल्वड हैं। क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेगी कि इन 153 में से कितनों को सजा हुई है?

श्रीमती शारदा रानी: अध्यक्ष महोदय अभी मैंने बताया है कि कितने केसिज में सजा हुई है। इन केसिज में जो लोग इनवाल्वड होंगे, उनको सजा मिली है।

श्री निहाल सिंह: स्पीकर साहब, चौ. दल सिंह ने 1947 से 1976 तक की इनफर्मेशन मांगी है। क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि इस एक साल के अन्दर जब कि चौ. दल सिंह जेल में थे इस अर्से में इस तरह के केसिज बढ़े हैं या घटे हैं? –हंसी–

चौ. दल सिंह: स्पीकर साहब, उत्तर में बताया है कि 56 केसिज पैडिंग हैं। क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि कितने केसिज में फैसला हो चुका है और उन फैसलों में कितनो को सजा हुई है।

श्रीमती शारदा रानी: स्पीकर साहब, अपहरण में 36 केसिज हुए हैं जिनकी बाबत मैंने अभी बताया है। मर्डर केसिज दस हैं उनके चालान हो गए हैं। उनमें से एक को कनविक्शन हो गई है और एक छूट गया है। बाकी आठ केसिज पैंडिग हैं। रेप के 44 केसिज हैं इनमें से 37 का चालान हो चुका है। दो को कंविक्शन हो गई है और पांच छूट गए हैं। 30 केसिज कोर्ट में पैंडिग हैं और सात केसिज अन्डर इनवैस्टीगेशन हैं।

Economy in Government Expenditure

***1631. Chaudhri Mehar Chand**: Will the Finance Minister be pleased to State the steps taken by the Government to enfroce strict economy in State Government expenditure as envisaged under the 20-point Economic Programme of the Prime Minister?

Finance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital): For effecting economy in Government Expenditure instructions have been issued from time to time covering a wide range of subjects like use of telephones, electricity, contingent expenditure, touring, meeting, staff and schemes, statopmery, furniture, petrol, purchase and repair of vehicles, advertisement and publicity construction works, offical functions, hospitality etc. A cut of 6 per cent has also been imposed on the non-plan expenditure provided in the current year budget estimates.

चौ. मेहर चन्द: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इकोनोमी के लिए सरकार ने जो स्टैप्स लिए हैं उनमे किन डायरैक्शन्ज में इकोनोमी हुई है और एक्चुअली हुई भी है या नहीं?

श्री राम सरन चन्द मित्तल: एक्चुअली इकोनोमी तो हुई है लेकिन कितनी हुई है यह उस समय पता लगेगा जब कैलकुलेशन की जाएगी, एस्टीमेट लगाया जाएगा। लेकिन इतना मैं जरूर कहूंगा कि इकोनोमी अवश्य हुई है।

श्री के.एन. गुलाटी: स्पीकर साहब, मैं एक बात सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं। फरीदाबाद में हजारों रूपया सरकारी दफतरों के किराए के लिए दिया जाता है। एक बड़ी बिल्डिंग पुराने नेहरू कालेजे के पास है, वह खाली पड़ी है .....

Mr. Speaker: Order Please. Take your seat.

चौ. शिव राम वर्मा: स्पीकर साहब, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि मंत्री महोदय ने सवाल का जवाब अंग्रेजी में दिया है और बहुत से सदस्य अंग्रेजी समझ नहीं पाए हैं। मैं भी यह सोचता हूं

कि उत्तर के बारे में क्या सप्लीमैंट्री करूं। जब मंत्री महोदय बोल रहे थे तो मैं सोच रहा था कि कहां बचत हुई हे और कहां नही हुई है।

श्री राम सरन चन्द मित्तल: स्पीकर साहब, क्वैश्चन भी अंग्रेजी में था और इसलिए उसका जवाब भी अंग्रेजी में ही दिया गया।

चौ. दल सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है वह बड़ा वेग है। उन्होंने कहा है कि बड़ी इकोनोमी हुई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कहां इकोनोमी हुई है?

श्री अध्यक्ष: सवाल 'स्टैप्स टेकन' के बारे में था। सवाल में अमाउंट नहीं पूछा गया था। सारे स्टैप्स बता दिए हैं।

चौ. दल सिंह: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या स्टैप्स लिए हैं?

श्री अध्यक्ष: इकोनोमी के सारे आइटम्ज बताए है इनक्लूडिग 6 परसैन्ट कट।

चौ. फूल चन्द (मुलाना): स्पीकर साहब, जवाब में मंन्त्रियों के दौरों के कार्यक्रम पर भी नियन्त्रण बताया गया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकारी गाड़ियों के दुरूपयोग को भी पूरी तरह चैक दिया गया है?

श्री राम सरन चन्द मित्तल: स्पीकर साहब, हर जगह चैक रखा गया है लेकिन अगर कोई चीज आनरेबल मैम्बर के नोटिस में हो तो वह बताए, हम और टाइटन कर देंगे।

Road from Badkhal to Gurgaob

***1638. Shri K.N. Gulati**: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the date on which construction of road from Badkhal (Faridabad) to Gurgaon was started; and

(b) the time by which the road as referred to in part (a) above is likely to be completed?

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma):

(a) The work was started in April, 1970.

(b) No specific date for the completion of road can be given. It depends upon the avilability of funds.

श्री के. एन. गुलाटी: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह कार्य कब तक पूरा हो जाएगा? इस काम पर कितना खर्चा हो चुका है?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: स्पीकर साहब, इस रोड़ को बनाने की एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल 1970 में ली गई थी। उस समय इनकी कास्ट 20 लाख 76 हजार 3 सौ रूपए थी। अब इस सड़क को लिंक करना बहुत मंहगा हो गया है क्योंकि मैटीरियल की कीमत बहुत ज्यादा हो गई है। बिचूमैन की कीमत तीन गुनी हो गई है और इस तरह अब इस सड़क की कास्ट 40 लाख रूपए हो गई है। इस

सड़क पर 18 लाख रूपया खच्र कर चुके हैं ओर इसको पूरा करने के लिए 22 लाख रूपए की और जरूरत है। इस सड़क की लम्बाई 25.98 किलोमीटर है। इसमें से 21.5 किलोमीटर पर अर्थवर्क हो चुका है, सीलिंग 13 किलोमीअर पर हो चुकी है, वीयरिंग 10 किलोमीटर पर ओर सरफेसिग 9.5 किलोमीटर पर हो चुका है।

चौ. दल सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि फण्डज की कमी के कारण काम पूरा हो सका ओर साथ में यह भी बताया है कि बिचूमैन की कीमत बढ़ी है। क्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करैंगे कि इस काम में अगर और देरी की जाएगी तेा कीमतें और नहीं बढ़ जाएगी?

Pandit Chiranji Lal Sharma: The work is still in progress and we hope to complete it as early as possible.

चौ. शिव राम वर्मा: स्पीकर साहब, प्रचार तो यह किया जता है कि चीजें सस्ती हो रही हैं लेकिन मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि चीजें मंहगी हो रही है।

पंडित चिरंजी लाल शर्मा: प्रचार की बात तो मैं नहीं करता। में तो यह बता रहा था कि बिचूमैन की कीमत वाकई तिगनी हो गई है।

Ratemali Water Supply Scheme

***1656. Shri Jagjit Singh Tikka:-** Will the Minister for Local Government be pleased to state- Water Supply Scheme; and

(a) the number of villagers include in the Ratemali Water Supply Scheme; and

(b) the time by which the said scheme is likely to be completed?

गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती शारदा रानी):

(ए) 23 गांव।

(बी) कोई निश्चित तिथि नहीं बतलाई जा सकती, क्योंकि यह तो धन की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

Heavy or Medium Industry at Nilokheri

***1661. Chaudhri Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to set up any Heavy or Medium Industry at Nilokheri;

(b) if so, the details therof together wiht the time by which the work theron is likely to be started;

(c) if not, the reasons therefor?

Industries Minister (Shri Harpal Singh):

(a) No, Sir.

(b) Question does no arise.

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हर बार 'ना' मे जवाब क्यों दिय जाता है 'हां' में क्यों नहीं?

श्री हरपाल सिंह: स्पीकर साहब, वर्मा साहब को निराश नहीं होना चाहिए। एग्रोइंडस्ट्रीज कार्पोरेशन की तरफ से इसके बारे

में फैसला हो चुका है और हारवेस्टर कम्बाइन्ज का एक प्रोजैक्ट वहां लगाने के बारे में सैन्ट्रल गवर्नमैंट को लाइसेंस के लिए लिखा हुआ है। जब वहां से लाइसेंस मिल जाएगा, तो यह प्रोजैक्ट सैट–अप हो जाएगा।

चौ. शिव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह हारवेस्अर कम्बाइन्ज का प्रोजैक्ट कब तक शुरू होने की सम्भावना है? इसके अलावा भी दूसरे प्रोजैक्टस हैं, क्या उनमें से कोई प्रोजैक्ट वहां नहीं लगाया जा सकता है?

श्री हरपाल सिंह: जब तक वहां से सैक्शन नहीं मिलती तब तक इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। जब वहां से सैक्शन आ जाएगी, तो यह प्रोजैक्ट लगा दिया जाएगा।

चौ. शिव राम वर्मा: स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री के नोटिस में मैं एक बात लाना चाहता हूं और वह यह कि नीलोखेड़ी की बस–स्टैण्ड की दीवार के पीछे लिखा हुआ है "The birth place of Community Development and the dream of Pandit Jawahar Lal Nehru." तो यह पंडित नेहरू के ख्वाब कब पूरे होंगे?

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): वह होने लग रहे हैं, दिन प्रति–दिन पूरे हो रहे हैं।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Depot-wise Buses purchased/sold

501. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Transport be please to state-

(a) the depot-wise total number of buses purchasedby the Haryana Roadways during the fincial years from 1968-69 to 1975-76, year-wise;

(b) the depot-wise total number of buses sold/codemned by the Haryana Roadways during the period as referred to in part (a) above year-wise; and

(c) the depot-wise requirment of buses as at present and the steps taken to meet the requirements?

परिवहन मंत्री (श्री के.एल. पोसवाल):

(क) तथा (ख) कथन सदन की मेज पर रखा जाता है।

(ग)	(i)	हरियाणा राज्य परिवहन, अम्बाला	24
		हरियाणा राज्य परिवहन, गुड़गावं	40
		हरियाणा राज्य परिवहन, चण्डीगढ़	5
		हरियाणा राज्य परिवहन, रोहतक	44
		हरियाणा राज्य परिवहन, करनाल	25
		हरियाणा राज्य परिवहन,	16

		हिसार	
		हरियाणा राज्य परिवहन, रिवाड़ी	10
		हरियाणा राज्य परिवहन, जींद	8
		हरियाणा राज्य परिवहन, भिवानी	
		हरियाणा राज्य परिवहन, कैथल	

(ग) अभी–अभी हरियाणा राज्य परिवहन को 55 चैसिज प्राप्त हुई हैं और इन पर बस बाडीज बनवाई जा रही है। 80 चैसिज के आर्डर शीघ्र ही भेजे जा रहे हैं। आशा है कि परिवहन विभाग अधिक बसे सड़कों पर डालकर इसी चालू वर्श में गाड़ियों की मांग को पूरा कर सकेगा।

कथन

डिपुओं अनुसार वित्तीय वर्श 1968–69 से लेकर 1975–76 तक की खरीदी गई, बेची गई तथा नकारा घोशित की गई बसों की कुल संख्या का विवरण।

		वर्श	अम्बाला	गुडगांवां	चण्डीगढ़	रोहतक	करनाल	हिसार	रिवाड़ी	जीन्द	भिवानी	कैथल
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
(क)	खरीद की गई बसों की संख्या	1968–69	31	48	17	50						
		1969–70	23	31	28	54	34	15				
		1970–71	56	15	11	46	63	64				
		1971–72	52	7	21	67	20	40				

		1972–73	42	20	27	24	73	38	23			
		1973–74	44	12	22	33	83	22	19	44	10	
		1974–75	22	44	25	31	32	16	38	38	15	20
		1975–76	64	47	48	30	31	42	13	15	13	40
(ख)	(i) नकारा घोशित की गई बसों की संख्या	1968–69	49	40	1	26						
		1969–70	20	14	17	9		2				
		1970–71	8		3		9					
		1971–72	18	6	14		15					

		1972–73	33	15	24	6	22	8	1			
		1973–74	17	4	6	18	20	11	5			
		1974–75	28	10	18	13	20	11	7	2		14
		1975–76	35	32	32	27	9	28	4	2		6
	(ii) बेची गई बसों की संख्या	1968–69	49	40	1	26						
		1969–70	20	14	17	9						
		1970–71	7		3		3	1				
		1971–72	18	6	14		14					
		1972–73	33	15	24	6	15	7				

		1973–74	17	4	6	18	34	9	6			
		1974–75	25	10	18	13	19	12	2			3
		1975–76	23	32	31	12	10	19	9	4		16

Class, I II, III and IVEmployees in the State

502.Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to State-

(a) the total number of Class I, II, III and IV employees in the State as at present, separately; and

(b) the total number of employees out of those referred to in part (a) above, who belong to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Backward Classes and Ex-servicemen, Separately/

“Assembely Businees.

Top Priority.

Subject: Unstarred Assembly Question No. 502 asked by Chaudhri Ram Lal, M.L.A. regarding employees.

The answer to Unstarred Assembly Question No.502, appearing in the list of Unstarred Question fo the 5-7-1976 in the name of Chaudhri Ram Lal, M.L.A. is not ready.

2. The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected from all the Departements in the State.

Sd/-

Social Welfare & Taxation Minister,

Haryana.

To

The Secreatery,

Haryana Vidhan Sabha

Chandigarh

U.O. No. 4140-SW-1-76/13141 Dated Chandigarh, the 2nd July, 1976."

Sugar Mills owned by private persons

503. Chaudhri Ram Lal Wahwa: Will the Minister for Industries be pleased to state the number and names of Sugar Mills owned by private persons in the State as at present?

उद्योग मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

1. एक–मैसर्ज सरस्वति शुगर मिल्ज, यमुना नगर।

Amount Received in the small Savings Scheme

504. Chaudhri Ram Lal Wahwa: Will the Minister for Finance be pleased to state-

(a) the district-wise total amount received in the Small Savings Scheme in the State during the years 1973-74 to 1975-76, separately;

(b) the district-wise amount os Small Savings as referred to in part (a) above, which was deposited by the persons concerned direct and collecting through Government officials/officers, separately; and

(c) the district-wise number and names of persons who deposited more than Rs.5,000/- in the scheme referred to in part (a) above during the period from 1973-74 to 1975-76, separately?

वित्त मंत्री (श्री राम सरन चन्द मित्तल):

(क) क्षेत्रीय निदेशक, राश्ट्रीय बचतें संगठन, हरियाणा से उपलब्ध हुये जमा राशियों के अनुमानित आंकड़े दर्शाने वाला विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है। अभी तक डाक व तार विभाग से लेखा परीक्षा के बाद जमा राशि के आंकड़े उनको प्राप्त नही हुये हैं।

(ख) व (ग) सूचना इकट्ठी करने मे जो समय और परिश्रम लगेगा उसमें कोई विशेश लाभ न होगा।

विवरण

(आंकडे हजारों रूपयों में)

वर्श 1973–74

	जिला	कुल जमा राशि	निकलवाई गई राशि	निवल जमा राशि
1	अम्बाला	183982	122711	61271
2	करनाल	144131	94723	49408
3	कुरूक्षेत्र	119920	59312	60608
4	रोहतक	128218	76192	52026
5	सोनीपत	99810	54523	45287
6	हिसार	174559	102041	72518
7	गुड़गांव	173118	124731	48387

8	नारनौल	54264	29310	24954
9	जींद	70421	39899	30522
10	भिवानी	(जिला हिसार के आंकड़ों में सम्मिलित)		

वर्श 1974–75

	जिला	कुल जमा राशि	निकलवाई गई राशि	निवल जमा राशि
1	अम्बाला	134908	201739 (-)	66831
2	करनाल	125727	195995 (-)	70268
3	कुरूक्षेत्र	85780	150678 (-)	64898
4	रोहतक	93780	152423 (-)	58643
5	सोनीपत	70319	126180 (-)	55861
6	हिसार	116087	223082 (-)	106995
7	गुड़गांव	136181	219955 (-)	83774
8	नारनौल	3383	62166 (-)	28983
9	जींद	54561	86495 (-)	31934
10	भिवानी	(जिला हिसार के आंकड़ों में सम्मिलित)		

वर्श 1975–76

	जिला	कुल जमा राशि	निकलवाई गई राशि	निवल जमा राशि
1	अम्बाला	83179	80083	3096
2	करनाल	46142	50151 (-)	4009
3	कुरूक्षेत्र	23113	26380 (-)	3267
4	रोहतक	48282	50714 (-)	2432
5	सोनीपत	208980	28529	45
6	हिसार	33238	37687 (-)	4449
7	गुड़गांव	36081	43415 (-)	7334
8	नारनौल	15013	15686 (-)	673
9	जींद	12137	11611	526
10	भिवानी	15888	16614 (-)	726
11	सिरसा	4751	5430 (-)	679

टिप्पणीः निकलवाई गई राशि सम्बन्धी आंकड़े विवरणी में केवल संग्रहों की निकल स्थिति दर्शानों के लिए शामिल किये गये हैं।

Posts of Headmasters and Block Education Officers

511. Chaudhri Peer Chand: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of sanctioned posts of Headmasters and Block Education Officers, separately, in the State as at present together with the number of posts amongst them which are lying vacant, separately;

(b) the number of posts out of those referred to in part (a) above which are reserved for the persons belonging to Schelduled Castes and Backward Classes, separately, together wiht the number of such posts as are lying vacan separately; and

(c) whether the Government intends to fill up these vacant reserved posts during the year 1976-77?

शिक्षा मंत्री (श्री माडू सिंह मलिक):

(ए)	स्वीकृत पदो की संख्या			रिक्तियां
	(i)	मुख्याध्यापक	601	शून्य
	(ii)	खण्ड शिक्षा अधिकारी (पुरूश)	78	शून्य

(बी)		मुख्याध्यापक	रिक्तियां	खण्ड विकास	रिक्तियां

				अधिकारी	
	अनुसूचित जातियां	12	7	शून्य	शून्य
	पिछड़ी जातियां	1	शून्य	शून्य	शून्य
(सी)	हां				

Country Liqury and Indian made Foreign Liquor shops in the State

512. Chaudhri Peer Chand: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) the district-wise number of country liquor and Indian made foreign liquor shops, separately, in the State during the financial year 1975-76 together with the district-wise number of Country and Indian made liquor shops allowed for the financial year 1976-77;

(b) the district-wise number of licences for the manufacture of Countey liquor and Indian made foreign liquor issued in the firnancial years 1975-76 and 1976-77, separately; and

(c) the reasons for the increase, if any, in the number of above mentioned shops and licencese for manufacturing liquior

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री श्याम चन्द):

(क) वर्श 1975–76 तथा 1976–76 में जिलावार देसी शराब तथा अंग्रेजी शराब की दुकानें निम्नलिखित हें –

वर्श 1975–76

	जिला का नाम	देसी शराब की दुकानें			भारत में बनी विदेशी राब की दुकानें				
		थोक दुकानें	परचून दुकानें	जोड़	थोक दुकाने (एल–1)	परचून दुकानें (एल–2)	बियर की दुकानें (एल–10)	बारज (एल–3, 4 तथा 5)	जोड़
1	हिसार	6	81	87	8	66		2	76
2	रोहतक	5	40	45	7	53		2	62
3	गुड़गांव	3	48	51	16	101	3	7	127
4	करनाल	2	49	51	11	52		4	67
5	अम्बाला	5	55	60	8	61		6	75

6	जीन्द	3	46	49		21	1		22
7	महेन्द्रगढ़	3	39	42		17		1	18
8	सोनीपत	2	24	26	1	25		1	27
9	भिवानी	2	50	52	1	20			22
10	कुरूक्षेत्र	3	48	51	1	30		2	34
	जोड़	34	480	514	53	446	6	25	530

वर्श 1976–77

	जिला का नाम	देसी शराब की दुकानें			भारत में बनी विदेशी राब की दुकानें				
		थोक	परचून	जोड़	थोक	परचून दुकानें	बियर की	बारज	जोड़

		दुकानें	दुकानें		दुकाने (एल–1)	(एल–2)	दुकानें (एल–10)	(एल–3, 4 तथा 5)	
1	हिसार	4	59	63	7	46		2	55
2	रोहतक	5	45	50	5	44		2	51
3	गुड़गांव	2	27	29	1	40	2	3	46
4	करनाल	2	53	55	10	52		4	66
5	अम्बाला	5	62	67	8	65		6	79
6	जीन्द	3	50	53		21	1		22
7	महेन्द्रगढ़	3	44	47		18		1	19
8	सोनीपत	2	28	30	1	30		1	32
9	भिवानी	3	53	56	1	21			22

10	कुरूक्षेत्र	3	55	58	1	35		2	38
11	सिरसा	2	35	37	1	26	1		28
12	फरीदाबाद	2	32	34	13	56		4	73
	जोड़	36	543	579	48	454	4	25	531

(ख) 1975–76 1

1976–77 शून्य

(ग) नई दुकाने वैदध शराब की मांग को पूरा करने के लिये खोली गई हैं जिससे नाजायज व नकली शराब का निर्माण व उसकी बिक्री को निरूत्साहित करना भी है।

Land Acquired for the Hissar Bypass

541. Chaudhri Peer Chand: Will the Minister for revenue be pleased to state-

(a) whether any land has been acquired for the Hissar bye-pass;

(b) if so, when and the rate at which the compensation was paid to the land-owners thereof; and

(c) whether the compensation in repect of the above mentioned acquired land has been paid to all the land-owners; if so,

राजस्व मंत्री (पंडित चिरंजी लाल शर्मा):

(ए) हां

(बी) वांछित सूचना का विवरण संलग्न है।

(सी) हां बीर हिसार की कुछ भूमि के सिवाए जहां कुछ मलकियत का झगड़ा चल रहा है। मुआवजें की अदायगी की तिथि संलग्न सूची के अंतिम कालम में दी गई है।

विवरण

मुआवजे की अदायगी निम्नलिखित दरों पर दी गई है

—

गांव का नाम जहां भूमि अभिग्रहण की गई	अभिग्रहण करने का समय	मुआवजे की दर (प्रति एकड़)	मुआवजा देने की तिथि
हिसार ब्लाक ए	दिसम्बर, 1974 रूपये	6480	24.12.74
हिसार ब्लाक बी	दिसम्बर, 1974 रूपये	5000	24.12.74
हिसार	दिसम्बर, 1974 रूपये	5000	10.2.75
सातरोड़ खास ब्लाक ए	दिसम्बर, 1974 रूपये	9680	24.12.74
ब्लाक बी	दिसम्बर, 1974 रूपये	5000	24.12.74
सातरोड़ खुर्द	दिसम्बर, 1974	9680	24.12.74

	रूपये		
बीर हिसार	दिसम्बर, 1974 रूपये	5440	10.2.75
सातरोड़ कलां	दिसम्बर, 1974 रूपये	5920	10.2.75
सातरोड़ खास	दिसम्बर, 1974 रूपये	5000	10.2.75

Medical Facility

542. Chaudhri Peer Chand: Will the Minister for Industries to be pleased to state-

(a) the income group from whom the medical facility such as free treatment, free tests and free X-ray, etc., are provided in the hospitals of Haryana; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govenment to extend this benfit to a larger section of the population in the State by raising the income limit prescribed for free medical facility?

उद्योग मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) 150 रूपये प्रति मास तक

(ख) नहीं

अध्यक्ष द्वारा घोशणाएं

(i) सभापतियों की तालिका

Mr. Speaker: Under Rule 13(1), of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following meembers to serve on the Panel of Chairmen –

1. Rao Nihal Singh.

2. Rao Dalip Singh.

3. Ch. Ishwar Singh.

4. Ch. Manphul Singh.

(ii) याचिका समिति

Mr. Speaker: Under Rule 286 (I), of the Rules of Proceedure and Conduct of Business in the Haryana Vidhan Sabha, I nominnate the following Members to serve on the Committee on Petitions –

1. Smt. Lekhwati Jain, Deputy Speaker, Ex-Offico Chairman.

2. Rao Dalip Singh

3. Sh. Gulab Singh Jain

4. Ch. Phool chand (Rohat), and

5. Ch. Phool chand (Mullana)

अध्यक्ष द्वारा सदन मं समितियों के प्रतिवेदन पेश करना –

(i) वर्श 1975–76 के लिए लोकलेखा समिति का नौवां प्रतिवेदन

Mr. Speaker: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Ninth Report on the appropriation Accounts and Finance Account of the Haryana Government for the year 1971&72 and the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1971&72, of he PUblic Acccounts Committee for the year 1975-76, was presented to me by the Chairman of the Public Accounts Committee as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1975-76 due to the adjournment of the House sin-die on the 28th January, 1976.

In pursuance of the aforesaid Rule, I had ordered the printing of the Ninth Report of the Public Accounts Committee for the year 1975-76.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

(ii) वर्श 1976–77 के लिए प्राक्कलन समिति का आठवां प्रतिवेदन

Mr. Speaker: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Eighth Report of the Committee on Estimates for the year 1975-76 was presented to me by the Chairman of the Committee on Estimates as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1975-76 due to the adjournment of the House sine-die on the 28th January, 1976.

In pursuance of the aforesaid Rule, I had ordered the printing of the Eighth Report of the Public Accounts Committee for the year 1975-76.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

(iii) वर्श 1975–76 के लिए सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति का सातवां प्रतिवेदन

Mr. Speaker: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Seventh Report of the Committee on the Government Assurances for the year 1975-76 was presented to me by the Chairman of the Committee on Government Assurances as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1975-76 due to the adjournment of the House sine-die on the 28th January, 1976.

In pursuance of the aforesaid Rule, I had ordered the printing of the Seventh the Report of the Public Accounts Committee for the year 1975-76.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

(iv) वर्श 1975–76 के लिए अधीनस्थ विधान समिति का आठवां प्रतिवेदन

Mr. Speaker: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Eighth Report of the Committee on the Subordinate Legislation for the year 1975-76 was presented to me by the Chairman of the Committee on Subordinate Legislation as this could not be presented to the House before the expiry of the term of the office of the Committee for the year 1975-76 due to the adjournment of the House sine-die on the 28th January, 1976.

In pursuance of the aforesaid Rule, I had ordered the printing of the Eighth the Report of the Public Accounts Committee for the year 1975-76.

Now I lay a copy of this Report on the Table of the House.

अनुपस्थिति की अनुमति

Mr. Speaker: I have received an application from Ch. Hardwari Lal M.L.A. Detenu district Jail Rohtak asking for leave of absence from the Vidhan Sabha meetings commencing on 5th July, 1976, under article 190(4) of the Constitution as he has been detained under MISA.

Transport Minister (Sh. K.L. Poswal): Is he a Member of the House, Sir.?

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, हम तो उनको इस सदन का मैम्बर ही नही मानते।

Mr. Speaker: Question is –

That permission for leave of absence be granted.

Mr. Speaker: The motion is lost and the leave is refused.

I have received an application from Ch. Ram Lal Wadhwa M.L.A. Detenu district Jail Hissar seeking permission of leave of absence from the House from all sittings of the present session of the Assembly as required under article 190(4) of the Constitution as he has been detained under MISA.

Question is –

That permission for leave of absence be granted.

The motion was carried.

Mr. Speaker: The motion is carrried and the leave is refused.

I have received an application from Ch. Chand Ram, M.L.A. Detenu district Jail Rohtak seeking leave of absence from attending the Haryana Vidhan Sabha session for duration of the session from 5th July, 1976 as he has been detained under MISA.

Question is –

That permission for leave of absence be granted.

The motion was carried.

Mr. Speaker: The motion is carriied and teh permission is granted.

Mr. Speaker: Now, the Secretary to maek some announcement.

Secretary: Sir, I beg to lay on the Table of the House a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its last Session held in January, 1976, and have since been assented to by the Governor/*President.

Statement

1. The Haryana Appropriation Bill, 1976 (in respect of the Budget for the year 1976-77).

2. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1976 (in respect of the Supplementary Estimates (Second instalment) 1975-76.

3. The Punjab Betterment Charges and Acreage Rates (Haryana Repealing) Bill, 1976.

4. The Punjabe Urban Immovable Property Tax (Haryana Amendment) Bill, 1976.

5. The Punjab Agriculture Produce Markets (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1976.

6. The Punjab Cooperative Socities (Haryana Amendment) Bill, 1976.

7. The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1976.

8. The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1976.

9. The Punjab Panchyat Samitis (Haryana Amendment) Bill, 1976.

10. The Punjab Shops and Commercial Establishments (Haryana Amendments) Bill, 1976.

11. The Punjab Town Improvement (Haryana Amendments) Bill, 1976.

12. The Haryana Urban (Control of Rent and Eviction) Amendment Bill, 1976.

13. The Punjab Excise (Haryana Amendment) Bill, 1976.

14. The Punjab Gram Panchyat (Haryana Amendment) Bill, 1976.

15. The Haryana Legislative Assmebly Speaker's Pension and Medical Facilities Bill, 1976.

*16. The Haryana Celling on Land Holidings (Amendment) Bill, 1976.

*17. The Code of Criminal Procedure (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1976.

*18. The Haryana Relief of Agriculture Indebtedness Bill, 1976.

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, जब जब इस सदन का पत्र प्रारम्भ होता है हमे अपने एक दुखद कर्तव्य को भी निभाना पड़ता है। जो हमारे नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, हमारे मित्र हमारे बीच से विदा हो जाते हैं उनके सम्मान में हमें शोक प्रस्ताव पेश करना पड़ता है। आज की सूची जो हमारे सामने है, अध्यक्ष महोदय, उस सूची में कुछ नाम ऐसे शामिल हैं जिनका हरियाणा के साथ, हरियाणा की जनता के साथ, हरियाणा की राजनीति के साथ और एक एक व्यक्ति की धड़कन के साथ गहरा सम्बन्ध रहा है। मैं भारी हदय के साथ और गम्भीरता के साथ

ऐसे सम्मानित नेताओं के प्रति अपनी ओर से शोक व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय श्री चक्रवर्ती जी जो लगभग साढ़े आठ वर्श तक इस प्रदेश के राज्यपाल रहे और उनके इस कार्यकाल में अनेक प्रकार के अच्छे और बुरे दिन आये परन्तु उन्होंने कितनी योग्यता के साथ उन सब वक्यों को निभाया, यह आप भी जानत है और इस सदन का एक एक सदस्य भी अच्छी तरह से जानता हैै। अध्यक्ष महोदय, श्री बीरेन्द्र नारायण चक्रवती जी एक प्रकार से हरियाणवी ही बन गये थे। हरियाणा के प्रति उनका इतना लगाव हो गया था कि हरियाणा की संस्कृति में, हरियाणा की भाशा में वे इतने तल्लीन हो गये थे कि हम उनको हरियाणा से अलग नहीं मानते। उनके बारे में, उनके जीवन चरित्र के बारे में, मैं कुछ बातें कहूंगा। आप सब जानते हैं कि वे सम्मानित और योग्य व्यक्ति थे।

यह सदन हरियाणा के राज्यपाल श्री बीरेन्द्र नारायण चक्रवती के 26 मार्च, 1976 को कलकत्ता में हुए आकस्मिक दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

श्री बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती का जन्म 20 दिसम्बर, 1904 को हुआ। उनका शैक्षणिक जीवन विशेश तोर पर उल्लेखनीय रहा है। डन्होंने 1925 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. (आनर्स) की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीण्र करने के बाद

1926 में लंदन विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। वहां से उन्होंने आनर्स में प्रथम श्रेणी का प्रमाण–पत्र प्राप्त किया। श्री चक्रवर्ती 1928 में लन्दन में आयोजित गृह सिविल सेवा, भारतीय सिविल सेवा तथा औपनिवेशिक सिविल सेवा की संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित हुए। उन्होंने उस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले भारतीय परीक्षार्थियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने 1929 में भारतीय सिविल सेवा आरम्भ की और बंगाल सरकार की सेवा में विभिन्न प्रशासनिक एवं न्यायिक पदों पर अत्यन्त कुशलता–पूर्वक अपना दायित्व निभाया। चीन में कुछ समय तक कार्यदूत के पद पर करने के पश्चात् 1948 में उनकी नियुक्ति जापान में हुई। वहां उन्होंने भारतीय सम्पर्क मिशन के अध्यक्ष तथा मित्रराश्ट्र सेनाओं के सर्वोच्च कमाण्डर के राजनीतिक परामर्शदाता के पद का कर्तव्यभार सम्भाला।

वे 1951 में राश्ट्र मण्डल सचिव (कामनवैल्थ सैक्रेटरी) नियुक्त किये गये। इस पद पर वे नीदरलैंड में भारतीय राजदूत नियुक्त होने तक कार्य करते रहे। नीदरलैंड में वे 1952 से 1954 तक राजदूत के पद पर रहे। 1955–56 में वे लंका में भारतीय उच्चायुक्त के पद पर आसीन हुए।

श्री चक्रवर्ती जी को 1962 में संयुक्त राश्ट्रसंघ में भारत का प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। वहां उन्होंने एक स्पश्टवादी एवं ओजस्वी वक्ता के रूप में अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने 'इण्डिया

स्पीक्स टू अमरीका' पुस्तक की रचना की, जिसका प्रकाशन अमरीका से अप्रैल, 1966 में हुआ और भारतीय संस्करण उसी वर्श नवम्बर मास में प्रकाशित हुआ।

वे सिविल सेवा से 1965 में सेवा–निवृत हुए और 15 सितम्बर, 1967 से निधन तक हरियाणा के राज्यपाल के पद पर आसीन रहे। पंजाब विश्वसिद्यालय ने 5 फरवरी, 1972 को उन्हे 'डाक्टर ऑफ–लॉ' की उपाधि प्रदान की।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

इसी प्रकार, अध्यक्ष महोदय, श्री अब्दुल गफ्फार खां, हमारे कितने पुरानी साथी थे, स्वतन्त्रता सेनानी थे। वर्शो तक वे संयुक्त पंजाब में और इस सदन में आप और हम सब के साथ काम करते रहे, उनका निधन भी हमारे लिये दुखदपूर्ण है। अध्यक्ष महोदय, मौत के सामने किसी का जोर नहीं चलता।

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री अब्दुल गफ्फार खां के 16 जून, 1976 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है।

श्री अब्दुल गफ्फार खां का जन्म जिला अम्बाला के गांव लाहा में हुआ था। वे देश के स्वतन्त्रता–संग्राम में भाग लेने वाले अग्रणी सेनारियों में से थे। उन्होंने मातृभूमि को स्वतन्त्र करवाने के लिए कठोर संघर्श किया। श्री गफ्फार खां ने स्वतन्त्रता–आन्दोलन

में मुख्य भूमिका निभाई थी और वे 1921 से 1947 तक स्वतन्त्रता–संग्राम के दौरान कई बार जेल गये। उन्होंने वर्शो तक अम्बाला जिला कांग्रेस कमेटी के प्रधान के पद पर दायित्व निभाया। 1971 तक वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे।

श्री गफ्फार खां 1956 में अमृतसर कांग्रेस अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष तथा 1969 में फरीदाबाद में हुए भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस के 72वे अधिवेशन की स्वागत समिति के उपसभापति नियुक्ति किए गए थे।

वे 1952 से 1967 तक तथा 1968 से 1972 तक विधानसभा के सदस्य रहे। उन्होने हरियाणा मन्त्री मण्डल में लगभग दो वर्शो तक मंत्री के पद का दायित्व निभाया तथा 1972 में उन्होंने राजनीति से सन्यास ले लिया।

श्री गफ्फार खा धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक थे उनके निधन से देश में स्वतन्त्रता संग्राम का एक महान योद्धा खो दिया है और हरियाणा एक अनुभवी एवम् धर्मनिरपेक्षतावादी नेता की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शौक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इसी प्रकार अध्यक्ष महोदय, श्री निरंजन सिंह तालिब यदपि विभाजन के पश्चात वे पंजाब में चले गए थे लेकिन

हरियाणा में भी हमारे बहुत सारे साथी है। जिनको इस बात का सौभाग्य प्राप्त है कि उन्होंने उनके साथ मिलकर देश की आजादी की लड़ाई लड़ी और इस काम में पूरा सहयोग दिया।

यह सदन राज्यसभा के सदस्य श्री निरंजर सिंह तालिब 28 मई, 1976 को हुए आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है।

श्री निरंजन सिंह तालिब का जन्म 1901 में पंजाब प्रदेश के जिला पटियाला के अन्तर्गत नाभा में हुआ। राजकीय हाई स्कूल, नाभा से मैट्रिक परीक्षा उतीर्ण करने के पश्चात उन्होने खालसा कालेज, अमृतसर में प्रवेश लिया, परन्तु असहयोग आन्दोलन के दौरान उन्होंने राश्ट्रपिता महात्मा गांधी के आहवान पर 1921 में अपनी पढाई छोड दी।

उन्होंने नाभा के तत्कालीन राश्ट्रवादी महाराजा के, जिन्हे ब्रिटिश सरकार की गतिविधियों के लिए सिंहासनच्युत करके राज्य से निर्वासित कर, कोडाई कनाल में नजरबन्द रखा गया है, निजी सचिव के रूप में काम किया श्री ताबिल जेल में उनके साथ तीन वर्श तक रहे।

इसके पश्चात श्री तालिब कलकता में बस गए और वहां से उन्होंने 1930 में एक पंजाबी दैनिक पत्र देशदर्पण का प्रकाशन आरम्भ किया। यह दैनिक–पत्र दिवतीय विश्व–युद्ध के अन्त तक

प्रकाशित किया जाता रहा। इसी अवधि के दौरान उन्हें राश्ट्रवादी लेख लिखने के लिए कई बार दण्डित किया गया।

श्री तालिब कलकत्ता में नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के सम्पर्क में आये। नेताजी के कलकता के अदृश्य हो जाने पर श्री तालिब को गिरफ्तार करके पूछताछ करने तथा मुकदमा चलाने के लिए लाहौर किले में ले जाया गया। वहां उन्हें सात मास तक एकान्त कारावास में रखा गया।

श्री तालिब ने 1957 से 1967 तक विधायक, उपमंत्री, राज्यमंत्री तथा कैबिनेट स्तर के मंत्री के पदों का दायित्व निभाते हुए पंजाब की सेवा की।

श्री तालिब 1972 मे पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। गत वर्श पंजाब विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वे राज्य सभा के लिए चुने गए।

उनके निधन से देश एक अग्रणी स्वतन्त्रता–सेनानी तथा प्रख्यात देशभक्त और राजमर्मज्ञ की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय औद्योगिक विकास मंत्री श्री मोइनुल हक चौ. के 13 फरवरी, 1976 को हुए असामयिक निधन पर गहरा दु:ख प्रकट करता है।

श्री चौ. का जन्म 1923 में हुआ और उन्होंने कांटन कालेज, गोहाटी तथा प्रेसीडेन्सी कालेज, कलकता एवं अलीगढत्र विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। अलीगढ़ विश्वविद्यालय से ही उन्होंने पोस्ट ग्रेजुऐट डिग्री प्राप्त की। उन्होंने लॉ की डिग्री भी प्राप्त की। बाद में उन्होंने प्रैक्टिस आरम्भ कर दी।

श्री चौ. असम विधान सभा के सदस्य बनें। 1957 और 1962 में वे पुनः असम विधान सीाा के लिए निर्वाचित हुए तथा असम राज्य मंत्रिमण्डल में 1957–67 के दौरान मंत्री के पद पर रहे।

श्री चौ. मार्च, 1971 में केन्द्रीय सरकार में औद्योगिक विकास एवं आन्तरिक व्यापार मंत्री बने। किन्तु जुलाई, 1972 में उन्होंने केन्द्रीय मंत्रिमण्डल से त्याग–पत्र दे दिया।

उनके निधन से देश एक देशभक्त एंव होनहार ओजस्वी नेात की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री के.सी. रेड्डी के 28 फरवरी, 1976 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शौक व्यक्त करता है।

श्री के.सी. रेड्डी का जन्म 1902 में हुआ। वे 1935 से 1937 तक मैसूर लोक–संघ के अध्यक्ष पद पर रहे। उन्होंने कुछ समय तक 'जनवाणी' के सम्पादक पद पर भी कार्य किया। 1937–1938 में वे मैसूर राज्य कांग्रेस के प्रधान बने।

उन्होंने मैसूर राज्य में उतरदायी सरकार की स्थापना के लिए 1946–47 में सत्याग्रह का आरम्भ किया। 1947 में वे राज्य के मुख्यमंत्री बने और इस पद पर 1952 तक आसीन रहे। 1952 मे ंवे केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में सम्मिलित हुए तथा उत्पादन मंत्री बने। किन्तु बाद में उन्होंने लोक निर्माण, आवास एवं पूर्ति मंत्रालयों का कार्य–भार सम्भाला।

श्री रेड्डी 1961 में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के पदर पर आसीन हुए, किन्तु 1963 में उन्होंने इस पर पर से त्यागपत्र दे दिया। इसके तत्काल पश्चात् वे कांग्रेस संसदीय दल के उप नेता चुन लिए गए।

श्री रेड्डी को 1965 में मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया। इस पर से वे 1971 में सेवा निवृत्त हुए।

उनके निधन से देश एक अग्रणय स्वतन्त्रता सेनानी, महान् देशभक्त, राजनीतिज्ञ तथा एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन केन्द्रीय सरकार में भूतपूर्व विदेश उपमंत्री श्री अनिल कुमार चन्दा के 21 अप्रैल, 1976 को हुए दुःखद निधन पर गहन शोक व्यक्त करता है।

श्री चन्दा का जन्म 1906 में सिल्चर में हुआ। उन्होंने प्रारम्भिक शिक्षा सिल्चर तथा शान्तिनिकेतन में प्राप्त की। उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय से कॉमर्स में डिग्री प्राप्त की और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वे इग्लैण्ड गये।

श्री चन्दा 1947 में संविधान सभा के सदस्य थे और 1952 में वे संसद सदस्य निर्वाचित हुए। इसके बाद 1957 तथा 1962 में वे पुनः संसद के लिए चुने गये। वे केन्द्रीय सरकार में विदेश उपमंत्री रहे तथा तत्पश्चात् 1952 से 1962 तक उन्होंने लोक निर्माण, आवास एवं संभरण मंत्रालयों के कार्यभार को सम्भाला।

श्री चन्दा ने 1953 में संयुक्त राश्ट्र महासभा के आठवें अधिवेशन में भारतीय शिश्टमण्डल के सदस्य के रूप में भाग लिया। 1955 में उन्होंने चीन जाने वाले भारतीय सांस्कृतिक शिश्टमण्डल का नेतृत्व किया और बाद के वर्शो में तो वे रूस, युगोस्लाबिया तथा दूसरे पूर्वी योरोपीय देशों में भी गए।

उनके निधन से देश ने एक योग्य राजनीतिज्ञ एवं देशभक्त खो दिया है।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनींी हाार्दिक संवेदना प्रकट करता है। यह सदन मध्य भारत के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री तख्तमल जैन के 7 जून, 1976 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शौक व्यक्त करता है।

श्री तख्तमल जैन का जन्म 1895 में हुआ। उन्होंने ग्वालियर राज्य वकील परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विदिशा में प्रैक्टिस आरम्भ की। वे कई वर्शों तक ग्वालियर राज्य के मजलिसे–आम तथा मजलिस कानून के सदस्य रहे। उन्होंने 1930 से 1939 तक विदिशा नगरपालिका के उप–सभापति तगि 1939–1940 में इसके सभापति के पद को सुशोभित किया।

वे पहले जन–नेता थे, जिन्होंने 1940 में ग्वालियर राज्य में जनता के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में ग्राम कल्याण एवं स्थानीय स्वायत्त शासन का कार्यभार सम्भाला। किन्तु 1942 में उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। उन्होंने 1947–48 में ग्वालियर राज्य के वित्त मंत्री के पद का दायित्व निभाया।

श्री जैन 1950 में मध्य भारत के मुख्यमंत्री बने और इस पद पर 1952 तक आसीन रहे। वे 1953 में मध्य भारत प्रदेश कांग्रेस के प्रधान थे।

श्री जैन 1956 से 1958 तक मध्य प्रदेश में वाणिज्य, उद्योग तथा कृशि मंत्री रहे। 1958–से 1960 तक वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रहे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक एवं देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भारत के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधिपति श्री कोका सुब्बा राव के 6 मई, 1976 को हुए दुखद निधन पर गहन शोक प्रकट करता है।

श्री सुब्बा राव का जन्म 1902 में हुआ। उन्होंने बी.ए. की परीक्षा आर्टस कालेज, राजमुंद्री से पास की और लॉ की डिग्री मद्रास से प्राप्त की। इसके पश्चात् 1926 में उन्होंने वकालत आरम्भ की। एक एफल वकील के रूप में उन्होंने शीघ्र ही अपना प्रमुख स्थान बना लिया।

श्री सुब्बा राव को 1948 में न्यायपीठ का दायितव सौंपा गया और 1954 में वे उच्च न्यायालय, आन्ध्र प्रदेश के मुख्य न्यायाधिपति के पद पर आसीन हुए।

वे उच्चतम न्यायालय के 1958 में न्यायाधीश बने और 1966 में भारत के मुख्य न्यायाधिपति बनाये गए। किन्तु 1967 में उन्होंने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

उनके निधन से देश एक विख्यात विधिवेत्ता की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपपनी हार्दिक सवेदना व्यक्त करता है।

15.00 बजे

यह सदन पंजाब विधान सभा के सदस्य डॉक्अर अमीर सिंह कालकट के 8 मार्च, 1976 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

डा. अमीर सिंह कालकट का जन्म पहली अगस्त, 1924 काो जालन्धर छावनी में हुआं वे लगभग दो दशक तक सार्वजनिक सेवा के कार्य में संलग्न रहे तथा उन्होंने नगरपालिका के प्रधान एवं जनता सहकारी चीनी मिल के निदेशक के महत्वपूर्ण पदों का दायित्व निभाया।

वे चिकित्सक और एक कर्मठ कृशक थे। वे 1969 में पंजाब विधान सभा के लिए टाण्डा निर्वाचन–क्षेत्र से चुने गये। इसके बाद 1972 के आम चुनावों में वे पुनः उसी चुनाव क्षेत्र से पंजाब विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए।

यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौ. दल सिंह (जींद): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो शोक प्रस्ताव पेश किया है, मैं उनके लिए संवेदना करता हूं।

जब कभी भी हम इस सैशन में आते हैं, तो देश के कुछ महान व्यक्ति चले जाते हैं। हम उनको श्रद्धाजलि अर्पित करते हैं। इस बार भी इस देश के नौ महान व्यक्ति जिनका इस लिस्ट में नाम दर्ज है, हमारे बीच से बिछुड गए हैं, जिनकी सेवाओं से देश वंचित हो गया है। व्यक्ति चला जाता है लेकिन वह अपने पीछे कुछ असूल, कुछ रवायतें, इख्लाक और आदर्श छोड़ जाता है। जितने महान व्यक्ति हमसे बिछड़े उनके बहुत अच्छे आदर्श थे, बहुत अच्छे असूल थे। मैं समझता हूं कि यदि हम उनकी बताई गई अच्छी बातों पर, उनके बताए रास्तों पर चलें, तो यह सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हमारे राज्यपाल महोदय में एक विशेशता थी कि वे एक धार्मिक व्यक्ति थे। इस मैदान में रहने वाली महान आत्माएं या महान व्यक्ति आमतौर पर धार्मिक विचारों से दूर रहते हैं। हमारे शास्त्र भी कहते हैं ''यतो धर्म ततो जयः''। जहां धर्म होता है, वहां धर्म की जय होती है। शास्त्र यह भी कहते हैं ''धर्म व रक्षांत रक्षतः धर्मेव हतो हन्ति।'' धम्र की जो रक्षा करते है, धर्म उनकी रक्षा करता है। धर्म की जो अहेलना करते हैं, धर्म उनको मार देता है। हमारे राज्यपाल ने इसी असूल का पालन किया था। सरकार भी अगर आज इस भ्रश्ट जमाने में इस तरफ ध्यान दे तो वह राज्यपाल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

और भी जो इसमें महान व्यक्ति हैं, उसमें से खान अब्दुल गफ्फार खां हमारे बहुत नजदीक रहे हैं, वे भी धर्म–निर्पेक्षता

के प्रतीक स्तम्भ थे उन्होनें साबित कर दिया है कि ऐसे व्यक्ति की इज्जत हो सकती है, जिसकी केवल एक वोट थी। सरकार को ध्यान देना चाहिए कि देश मे ंजो जात–पात की बीमारियां फैली हुई है, उनको दूर करके एक उदाहरण रखना चाहिए। वे हमेशा उस इलाके से आते थे, जहां हिन्दुओं की मैजोरिटी थी।

सरदार निरंजन सिंह तालिब हमारे बीच रहे। डिप्टी मिनिस्टर, स्टेट मिनिस्टर, मिनिस्टर और पंजाब प्रदेश कांग्रेस के प्रेजीडैन्ट रहे। उनके सम्पर्क में मुझे बहुत रहने का मौका मिला कभी उनके दिमांग में हमने गुस्सा नहीं देखा, यह उनके अन्दर एक बड़ा गुण था, विशेशता थी। उनके इस एक गुध का, स्वभाव का हमें फायदा उठाना चाहिए।

इस प्रकार जो दूसरे साथी हे, तख्तमल जैन, वे भी बहुत सुलझें और सज्जन आदमी थे। हमारे जितने नेता हुए है, सभी ने मार्ग प्रदर्शित किया हैं देशवासियों की सच्ची श्रद्धांजलि तभी हो सकती है, जब उनके बताए मार्ग पर चलें। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह उनके घर वालों की इस क्षति को पूरा करे, उनको ताकत दे कि इस सदमें को बर्दाश्त करें।

चौ. प्रताप सिंह दौलता (बेरी):1956–62 तक हमारे स्वर्गीय गवन्नर महोदय कमोवेश हिन्दुस्ता से बाहर रहे। 1956 मे ंवे सीलोन से आए और 1962 में स्पेशल रिप्रैजेटेटिव बन गए। वे जवाहर लाल नेहरू के पर्सनल स्टाफ में रहे। 1960 में जब रोहतक

डिस्ट्रिक्ट में फ्लडज आए, तो मैं प्राइम–मिनिस्टर पंडित नेहरू को पर्सनली मिलने गया था। उस वक्त वै हवाई जहाज के जरिए, मेरे हलके में फलड देखकर गए थे। जब यूनाइटिड फ्रण्ट की मिनिस्ट्री थी, मैंने उनको बा–हैसियल गवर्नर देखा। वे अपनी एड–वाइस दिए बगैर, जो बुजुर्गाना होती थी, नहीं रहते थे। वे ऐसा करने से बिल्कुल नहीं झिझकते थे। वे अपने आपको एडमिनिस्ट्रेशन का पार्ट ऐंड पार्सल समझते थे और बड़े इनफार्मल तरीके सै बुलाकर बात करते थे। वे हिन्दुस्तान के सिर्फ अकेले गवर्नर थे, जिन्होंने हरियाणा में फ्रण्ट गवर्नमैंट को डिजाल्व कराने के लिए जब रिपोर्ट पेश की, तो उसमें लिखा कि कांग्रेस रूलिंग पार्टी ने अपनी डिफीट को ग्रेस के साथ नहीं लिया और अपोजीशन की मिनिस्ट्री को फंक्शन नहीं करने दिया। वे पहले और आखिरी गवर्नर हैं, जिन्होंने ये अल्फाज अपनी रिपोट्ट मे दिए। उनसे पहले और बाद में किसी ने इस तरह की बात अपनी रिपोर्ट में नहीं लिखी। उनके बाारे में सी.एम. साहब ने कहा कि वे बेहतरीन हरियाणवी थे, लेकन मैं कहता हूं कि वे एक हरियाणवी से ज्यादा बेहतरीन थे। जिस वक्त गवर्नर रूल आया, उस वक्त हाई कोर्ट से कुछ नॉन–हरियाणवीज को हरियाणा के कोर्ट में जजशिप के लिए रिकोमैंड किया गया, लेकिन वे न सिर्फ यहां चीफ जस्टिस से लड़े, बल्कि फाईल स्वयं लेकर होम मिनिस्ट्री में गए और कहा कि जब तक मैं गवर्नर हूं, तब तक हरियाणा के कोटै में से कोई नॉन–हरियाणवी जज नहीं बन सकता, क्योंकि यह स्टेट ऐसी है, जो आउटसाईडर्ज से रूल होती रही है। यह बात हाईकोर्ट की

फाईल पर मौजूद है, लेकिन यह बात दूसरी है कि जब रिप्रैजैन्टेटिव गवर्नमैंट आई, तो वही आदमी बड़े से बड़े ओहदे पर हरियाणा के कोटे से विराजमान हुए। उनको तो भगवान तरक्की का और मौका दे, लेकिन एक नान–हरियाणवी गवर्नर के बारे में, जो पाकिस्तान में पैदा हुआ, कलकत्ता में मरा, मैं यह कहना चाहता हूं कि उनकी आत्मा बा–हैसियत गवर्नर हरियाणा के साथ थी और मरने के बाद भी अगर आत्मा जिन्दा हे, तो वह हरियाणा के साथ रहेगी। इन अलफाज के साथ उनको मैं अपनी अकीदत पेशकरता हूं।

खान अब्दुल गफ्फार खां, स्पीकर साहब, हमाारे बेहतरीन साथी थेा, फ्रीडम फाइटरर थे और उनके करैक्टर की जो चीज मुझे बहुत अच्छी लगी, वह यह थी कि मेरा बहुत सारे मुसलमान कांग्रेसी मैम्बरों से वास्ता पड़ा। मैंने तकरीबन सभी बड़े–बड़े मुसलमान कांग्रेसी मिनिस्टर भी देखे लेकिन उनकी तरह, सिवाय मौलाना आजाद के, वे कभी अपोलीजैटिक नहीं थे कि वे मुसलमाान हैं और हिन्दुस्तान में मिनिस्टर हैं। सन् 1947 के वाक्यात के बाद जिनते भी मुसलमान यहां रह गए, वे अपने आापको बुझा–सा समझते थे, लेकिन खान अब्दुल गफ्फार खां डंके की चोट अपने आपको हिन्दुस्तानी समझते थे, डंके की चोट कांग्रेसी समझते थे, जिनसे उनके इख्तलाफात थे, उनसे वे दबे नहीं। चीफ मिनिस्टर तक से वे दबे नहीं, कोई कमजोरी उनमें नहीं आई। उनका सारा खानदान पाकिस्तान चला गया, लेकिन वे

बेहतरीन और मजबूत हिन्दुस्तानी थे। यह क्रैडिट है हिन्दुस्तान की उस डैमोक्रेसी को जो पंडित जवाहर लाल नेहरू के साए में पली थी। इसका क्रैडिट उनको भी जाता है, क्योंकि वे वे इन्सान थे, जो केवल एक वोट से हिन्दुस्तान में मौजूद थे। 1957 मे उनकी धर्मपत्नी अल्लाह को प्यारी हुई। बेटे पाकिस्तान में थे। अब वे हिन्दुस्तान में आए थे। मुझ से भी वे मिले। आज भी वे हिन्दुस्तान में हैं। वे उकाड़ा में आबाद हुए है। मेरा यह सब कहने का मतलब यह है कि उनके बच्चे, भतीजे आदि तो सब पाकिस्तान में चले गए, लेकिन वे अकेले डटकर हिन्दुस्तान में रहे। मैं उनके लिए इन अल्फाज के साथ अकीददत पेश करता हूं कि वे वे मुसलमाान सख्श हैं, जिनमें कभी भी इस बात का बहम नहीं आता कि वे कांग्रेस के घटिया मैम्बर हैं या हिन्दुस्तान के घटिया सिटिजन हैं।

निरंजन सिंह तालिब के बारे में, स्पीकर साहब, मैं इतना ही कहूंगा कि पंजाब से हमने एक बेहतरीन आदमी को खो दिया है। पंजाब के ऐडमिनिस्ट्रेटिव डिवीजन को उन्होंने अपने मन को बहुत लगाया था। उनकी निगाह में हर पंजाबी हरियाणवी पंजाबी था और हर पंजाबी हरियाणवी था। वे पंजाबी होने के कारण ही मेरे पड़ौसी नहीं थे, लेकिन वैसे भी हम तकरीबन एक ही जगह, एक ही गली में रहते चले आए थे। मुझे मालूम है कि वे कभी भी इस बात का बुरा नहीं मनाते थे कि हरियाणा तरक्की क्यों कर रहा है, बल्कि वे खुश होते थे। इन जजबात के साथ मैं उनके लिए भी अपनी अकीदत पेश करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, फार्मरर चीफ जस्टिस मिस्टर सूबा राव के बारे में भी मैं कुछ अर्ज करना चाहता हूं। जज तो आते रहते हैं और जाते रहते हैं, लेकिन ये वे जज थे, जिन्होंने कभी किसी वकील को कच्ची पेशी में क्वैश्चन पुट नहीं किया। वकील जो बात कहता था, उसको वे ध्यान से सुनते थे। 1957 से 1962 तक जब मैं पार्लियामैंट का मैम्बर था, सुप्रीम कोर्ट की बार का भी मैं रैगुलर मैम्बर रहा। एक रोज उन्होंने एसोसिएशन की मीटिंग में अपना तजरूबा सुनाया। उन्होंने बताया कि जब वे फैडरल कोर्ट में थे, तो एक दिन वे बड़े तेयार होकर आए। उस वक्त चीफ जस्टिस कानियापुनी जज थे। चीफ जस्टिस नहीं बने थे। उनके खड़े होते ही दौ तीन सवाल उन्होंने इस तरह से पूछे कि जो कुछ उन्हें याद था, वह सब भूल गया। इससे उन्हें बड़ी परेशानी हुई और अपनी लाईफ में उन्होंने इस बात से सबक लेकर के कभी किसी वकील को कच्ची पेशी में इन्ट्रप्ट नहीं किया। वे बउ़े कर्टियस जज थे। बाद में जो उन्होंने इस्तीफा दिया, वह कोई बहुत याद रखने वाली बात नहीं हैं जुडीशियरी से एक कन्ट्रोवर्शियल इलैक्शन के लिए रिटायर होना जुडिशियरी की शान के शांया नहीं।

स्पीकर साहब, एक और हस्ती डिप्टी कमिश्नर रोहतक की गलती की वजह से इस आब्चुअरी रैफ्रैसिज की लिस्ट में शामिल होने से रह गई है। वे है मास्टर बलदेव सिंह, एम.एल.सी.। डिप्टी कमिश्नर रोहतक को उनके बारे मे आपके सैक्रेटेरिएट को इत्तलाह देनी चाहिए थी। मैं उनको भी अकीदत पेश करता हूं।

बहुत दिनों तक वे कांग्रेस प्रेजीडैन्ट रहे। वे एम.एल.सी. भी रहे। वे बड़े मेहनती थे। उनकी सबसे बड़ी गिफ्ट हमारे लिए जाट कालेज रोहतक है। वह एजुकेशन की एक पायनीयर इंस्टिच्युशन है, हालांकि उसके बाद उन्होंने और भी बहुत सारे स्कूल खोले। ज्यादा समय न लेते हुए स्पीकर साहब, इन अल्फाज के साथ मैं मास्टर बलदेव सिंह और दूसरे सभी महापुरूशो की खिदमत में अपने जजबात उन जजबात से बाबस्ता करता हूं जो लीडर आफ दी हाउस ने हमारे सामने एक्सप्रैस किए।

चौ. फूल चन्द (रोहट–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, हाउस के लीडर ने दिवंगत आत्माओं के लिए जो शोक प्रस्ताव पेश किया है मेरी उससे बहुत हार्दिक सहानुभूति है। उन लोगो में से कुछ लोगों से तो मेरी जाति वाकफियत रही है। चक्रवर्ती जी के सम्मान में गुप्ता जी ने बहुत उल्लेखनीय बात कही। मुझे भी इस बात का गर्व है। मैंने कई बार उनसे मुलाकात भी की और उनको सुना भी। मुझे तो यों महसूस होता है कि वे बहुत बड़े काबिल आदमी हुए अपनी योग्यता की वजह से, हर तरह की काबलियत की वजह से, चाहे वह ऐडमिनिस्ट्रेशन की हो, चाहे वह राजनीति की हो, चाहे वह समाज की हो, और चाहे धर्म के कामों की हो। इतनी भरपूर काबलियत उनमें थी कि अगर मैं यह कहूं कि वे एक अदारा थे, इंस्टीच्यूशन थे, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अपनी जिन्दगी में उन्होंने बहुत कुछ किया। वे सरकारी नौकरी में रहे, सिविल सर्वेन्ट ररहे हाई कमिश्नर रहे, एक्बैसडर भी

रहे, काउंसलर भी रहे, ऐडवाइजर भी रहे, स्पैशल सैक्रेटरी भी रहे, परमानैन्ट रिप्रैजैन्टेटिव भी रहे, लेकिन बड़ा पूरा हिसाब उनके जीवन में रहा। जहां भी वे रहे, he remained as a pea-cock at the poultry. उन्होंने अपने आपको सही मायनों में पहचाना। उनमें बड़ा आत्म बल था और अपने स्वाभिमान को कायम रखने की कभी न दबने वाली शक्ति मैंने उनमें देखी। उन्होंने सन् 1965 का एक किस्सा सुनाया जब कि वे य.एन.ओ. में परमानैन्ट रिप्रैजैटेटिव थे। उस समय भारत का एक डेलीगेशन यू.एन.ओ. मं गया था, जिनकेस हैड सरदार स्वर्ण सिंह जी थ। भुट्टी साहब पाकिस्तान की तरफ से थे। भट्टो साहब ने यू.सन.ओ. में एक तकरीर दी, वह तकरीर ऐसी टाइप की थी जिसमें भारतवर्श के डेलीगेशन के मैंबरान थे, उनको अनाप–शनाप बातें कही गई थीं। स्पर्ण सिंह जी तो बड़े शरीफ आदमी थे, वे तो वाक–आउट कर गए। अगले दिन चक्रवर्ती साहब से नहीं रहा गया, उन्होंने उठकर इवान के के अन्दर बड़ी खबर ली। उनके मुझे सही लफ्ज याद हैं। वे उठकर कहने लगे–

"Mr. Charirman and fellow representatives, only yesterday, we hacve heard Mr, Bhutto from Pakistan who was addressing this House. His tone and tenor was strange and derogatory to India and its People. His main speaxh was direcred against us. it appeared that he was not speaking in this House but was speaking somewhere in the street of Mochi Darwaja of Lahore of Rawalpindi. It also appeared that he had taken two/three large pegs of whisky. It was not Mr. Bhuto

speaking but, in fact, whisky was speaking he was trying to show a drama of frustration and disappointment. He was trying to create scenes and making this House a fish market as he usually does in his own country."

जब भुट्टो साहब ने यह सुना तो वे उठकर कहने लगे —"Mr. Chairman, I lodge my protest and walk out from this House."

Then Mr. Chakravarty, referring to his walk out, on his back said:-

"Mr. Chairman he was right in quittiing this House. This House is comprised of most distinguished chosen from the countries of the world and people so fouled mouth like Mr. Bhuto have no place in such grand House and he does not deserve a place in this House."

ऐसी ऐसी बातें थी। उनके विशय में ही एक किस्सा और कहूंगा। एक बार हमारी प्राइस मिनिस्टर साहिबा चण्डीगढ़ में तशरीफ लाई थीं। चण्डीगढ़ के अन्दर कोई फंक्शन था। वहां जो प्रोटोकोल अफसर था, उसने चक्रवती साहब को जो सीट अलाट की, वह पहले नम्बर की बजाय दूसरे नम्बर पर अलाट कर दी। पहले नम्बर पर पंजाब के गवर्नर श्री पावटे साहब को अलाट कर दी। श्री चक्रवर्ती जो कहने लगे

"Madam Prime Minister when you would be holding this function tomorrow, I will not atten this function. Rather I will go to Pinjore,10 miles away from the place of function

because your Protocol Officer has alloted me a seat much behind to my junior."

उसी वक्त प्राइम मिनिस्टर साहिबा ने सीट ठीक करवाई। वे इतने स्वाभिमानी थे। जो भी उन्होंने अच्छे काम किए, वे हरियाणा में भुलाए नहीं जा सकते। मैं उनको हार्दिक श्रद्धांजलि पेश करता हूं।

स्पीकर साहब, अब्दुल गफ्फार खा भी हमेशा के लिए भुलाए नहीं जा सकते वे सारी तारीख के लिए रिकार्ड बन गए हैं। पाकिस्तान और हिन्दुस्तान की पार्टीशन के टाईम पर सबसे ज्यादा झगड़ास पंजाब में था। पंजाब से भी काफी रिफ्यूजी भाई यहां आए और यहां से भी काफी मुसलमान भाई पाकिस्तान को गए। जब उन्होंने यहां के और वहां के हालात बताए तो एकदम से आग भड़क उठी और जो मुसलमान भाई यहां हिन्दुस्तान में रहना चाहते थे, वे भी यहां से भाग गए, लेकिन खान साहब ऐसे हालात में भी हिन्दुस्तान में रहे। उन्होंने लोगों के साथ दोस्ती और ताल्लुकात ही नहीं रखे, बल्कि उन्होंने इलैक्शन लड़ा और उसमें कामयाब होते रहे। उन्होंने बड़ी शानदार रवायात कायम की, सैकुलेरिजम की मिसाल कायम की। उनके चले जाने से हरियाणा की और देश को काफी नुक्सान हुआ।

तालिब साहब के मुत्ताल्लिक तो चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया कि वे सुभाश बाबू के साथी थे। सुभाश बाबू का नाम तो सदा तवारीख में अमर रहेगा। उनका नाम लेते ही इज्जत से सिर

झुक जाता है। तालिब साहब ने कितनी ही यातनाएं सही, जेल काटी। जब उनकी ऐसी बातें याद करते हैं तो हमें बड़ा गर्व होता है और यह महसूस होता है कि हमारे बीच से अच्छे व्यक्ति चले गए।

इसी तरह से दूसरे महानुभाव हैं। उनका भी बड़ा शानदाार कैरीयर थी। उन्होंने भी बड़ी अच्छी तालीम हासिल की थी। योग्यता ही में शक्ति है। इसलिए ये तमाम लोग बड़े योग्य थे। मैं उन सभी के प्रति शोक प्रकट करता हूं और उन सभी को हाार्दिक श्रद्धांजलि भेंट करता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती (दादरी): स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने जो हमारे सामने शोक प्रस्ताव रखा है, इसका मैं समर्थन करती हूं। वैसे तो मुख्यमंत्री जी के बोलने के बाद कोई बात नहीं रह जाती है, लेकिन इस लिस्ट के अन्दर हमारे बहुत निकट के सहयोगी हैं, जिनको श्रद्धांजलि दिए बिना मैं नहीं रह सकती, जैसे कि खान अब्दुल गफ्फार खां और निरंजन सिंह तालिब। वे चोटी के कट्टर देशभक्त थे। उनकी इनसानियत, ईमानदारी और कट्टर देशभक्ति को भुलाया नहीं जा सकता हैं उसी तरह से बाबू तख्तमल जैन और मोहनुल हक चौधरी को भी मुझे निकट से जानने का अवसर मिला है। मैं इन दोनों महानुभावों को भी अपनी श्रद्धांजलि पेश करती हूं और दूसरे जितने भी महानुभाव हैं जो इस शोक प्रस्ताव में हैं और जिन्होंने देश के लिए बहुत काम किए हैं, उनको भी मैं श्रद्धांजलि पेश करती हूं।

श्रीमती लेखवती जैन (अम्बाला शहर): स्पीकर साहब, आज हाउस मे हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने जाो प्रस्ताव पेश किया है, उसका मैं पूरी तरह से समर्थन करती हूं। वैसे तो एक सैशन के बाद जब दूसरा सैशन आता है, तो हमें इसी तरह के शोक प्रस्ताव रखने पड़ते हैं। उस दौरान में कोई न कोई देशभक्त, महानुभाव हमारे बीच में से उठ जाता है। इस थोड़े पीरियड के अन्दर हमारे नौ देशभक्त, काम करने वाले उठे हैं। इन नौ देशभक्तों में से एक ऐसे व्यक्ति भी स्वर्गवास हो गए हैं, जिनके जाने से हरियाणा को बड़ी भारी हानि हुई है। वैसे तो सभी के लिए हमें अफसोस है, परन्तु हमारे भूतपूर्व गवर्नर श्री चक्रवर्ती के जाने से जो हरियाणा को और इस हाउस को चोट लगी है, उसो हम कभी नहीं भूल सकते हैं। हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने अभी बताया है कि उन्होंने किस–किस पद पर कितने–कितने दिनों काम किया, परन्तु सबसे बड़ी बात यह है कि आज हरियाणा में जो इतना काम हुआ है, जिसकी तारीफ आज हमारे सारे मुल्क में है और हमारी प्रधानमंत्री महोदया जहां कहीं भी जाती हैं, वहां पर हरियाणा की तारीफ करती हैं। हरियाणा में जो भी काम हमारे भूतपूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसी लाल ने साहब और योग्यता के साथ किए हैं, वहां पर यह बात भी जरूरी है कि स्टेट के अन्दर गवर्नर और चीफ मिनिस्टर का को–ऑर्डीनेशन भी जरूरी है। जिस स्टेट के अन्दर चीफ मिनिस्टर और गवर्नर का को–ऑर्डीनेशन होता है, वहां पर काम ज्यादा होता है। यही एक वजह थी, जिस कारण से काम हुआ है। चक्रवर्ती जी की हमारे

भूतपूर्व चीफ मिनिस्टर, बंसी लाल जी के साथ भी और आज के चीफ मिनिस्टर श्री बनासरी दास जी के साथ भी को–आर्डीनेशन पूरी रही है। हमारे प्रदेश में इतना भारी काम हुआ है, इसलिए उनके जाने से हमें बहुत धक्का लगा है। जनाब जितने भी दूसरे व्यक्ति हैं, उन सबका भी हमें दु:ख है।

आज अम्बाला की होने के नाते से या उनकी देशभक्ति की वजह से मुझे खासतौर से खान अब्दुल गफ्फार खां के निधन का दु:ख है। आज वे हमारे दरमियान नहीं हैं। खान साहब ने अम्बाला के नाम पर चार चांद लगाए हैं। कई जगहों पर ऐसी–ऐसी बातें होती हैं, जो कभी भुलाई नहीं जा सकती। इसी तरह से अम्बाला के अन्दर भी खान अब्दुल गफ्फार की बात है। उनका अपना एक वोट भी और कोई अपने घर का वोट नहीं था, परन्तु जनता के सहयोग से वे हमेशा जीतने रहे। खान साहब तो वे व्यक्ति थे, जिनके इलैक्शन में हमारे पंडित जवाहर लाल नेहरू जी आया करते थे।

उनके इलैक्शन के वक्त एक बार जब सरदार प्रताप सिंह कैरों उनको स्पोर्ट करने के लिए गए, तो उन्होंने कहा कि देखिए, यह कांस्टीच्युऐंसी खान अब्दुल गफ्फार खां की न समझो, यह तुम समझो प्रताप सिंह करों की, कोई काम हो, तो उनके पास न जाओ, मेरे पास आओं अम्बाले वालो। तुम्हारे सारे काम मैं करूंगा। फिर आज में उनको किस तरह भूल सकती हूं। सन् 1921 से लेकर जो उन्होंने 1947 तक देश सेवा के काम किए, वह किसी

से भूले नहीं हैं। 1921 की मूवमैंट के बारे में तो मैं नहीं बता सकती, क्योंकि उस वक्त तो मैंने काम नहीं किया, क्योंकि मेरी उम्र बहुत थोड़ी थी, मगर सन् 1930 में मैं जानती हूं कि जब मैंने उनके साथ नमक का कानून अनाज मंडी में तोड़ और नमक बनाया। मुझे आज भी वह याद उनकी भूलती नहीं है, जब नमक बनाने के बाद जब फोटो होने लगी तो उन्होंने मुझे व लाला दुनी चन्द की लड़की को वहां खड़ा कर दिया। पिछले दिनों हमारे मिनिस्टर पोसवाल साहब जब वहां गए, तो मण्डी में जलसा हुआ उसमें भी उनका वहां जिक्र किया गया। नेहरू फैमिली के तो वे इतने प्योर थे कि हमारी प्राइम–मिनिस्टर इन्दिरा जी भी जहां पर वे रहते थे, अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए वहां गयी। इसके अलावा हमारे जो दूसरे महानुीााव इस संसार से चले गए, उनके लिए भी हमें बहुत दुःख है, इनमें लाला तख्त मल जैन जी जो मध्य प्रदेश के चीफ मिनिस्टर रहे, भी शामिल है। उनसे हमारे घर जैसे ताल्लुकात थे। यही नहीं कांग्रेस की मीटिंज में ही, हम और भी मीटिंज में जो हमारे समाज की या जैन बिरादरी की होती थी, उनमें भी अक्सर मिला करते थे। जिस वक्त वे ए.आई.सी.सी. के जनरल सैक्रेटरी थे, मैं जानती हूं कि उन्होंने कितना काम किया। और कम से कम बहिनों के प्रति उनके मान में बहुत श्रद्धा थी। जब भी कोई बहिन उनके पास जाती थी, तब वे उसकी बात बहुत ध्यान से सुनते थे। एक बार मुझे भी उनके पास जाने का मौका मिला। क्योंकि मेरे खिलाफ किसी ने कोई गलत शिकातय कर थी। जैसे ही मैं उनसे मिली, उन्होंने मुझे तसल्ली देने के

लिए काह, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहती, कहने लग कि उनके खिलाफ क्या लिखा है, यह देखो, तुम्हारे खिलाफ किसी ने कुछ लिख दिया तो क्या हुआ। इसकी इनक्वायरी मैं नहीं करूंगा। सुचेता कृपलानी करेंगी। इन शब्दों के सथ मैं जो आज हमारे बीच में नहीं है, उनके लिए दुख प्रकट करते हुए अपनी श्रद्धाजंलि के फूल उनके चरणों में अर्पित करती हूं और भगवान से यह प्रार्थना करती हूं कि स्वर्ग में उनकी आत्मा को शान्ति दे और उनके कुटुम्बजनों को इतने बड़े दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

Mr. Speaker: Hon. Members, after the last Session of the Vidhan Sabha we have lost number of eminent persons who distinguished themselve in the service of the country in various walks of life.

Haryana sufferd a grievous loss in the passing away of its former Governor, Shri B.N. Chakravarty, in the last week of March. Shri Chakravarty was an outsatnding administrator and diplomat. He distinguished himself in various capacities. As Indian's permanent representative at United Nations, he made his mark in the diplomatic spheres. He was also a competent and effective administrator, wise and sobre statesman. His valuable adivce and matured guidance will always be missed and his death has created a void which is hard to fill.

Khan Abdul Ghaffer Khan was my colleague, both in the Punjab Vidhan Sabha, Haryana Vidhan Sabha and also as a Minister in Haryana Government Government. He rendered a

great service to the State in the struggle for freedom and later in the post-Independence period. He was imprisoned many a time from 1921 to 1947. He was really a symbol of secularism.

Shri Niranjan Singh Talib,Member, Rajya Sabha and president, Punjab Pradesh Congress Committee, also passed away at the age of 75 in the last week of May. Shri Talib was also my colleague in Punjab Vidhan Sabha. He was also a Minister in Punjab. He worked with dedication for half a century both in the freedom struggle and later in the post-Independence period.

Shri Moinul Haque Chaudhri, former Union Minister for Industrial Development, died in the middle of February. He was a Minister in the Assam Government for ten years and was elected to the Lok Sabha in 1971.

Shri K.C. Reddy, former chief Minister of Karnatka, formed the first j jpopular Government in the erst-while State of Mysore in 1947. He remained a Minister in the Central Cabinet from 1952 to 1963, when he resigned on health grounds. He was appointed Governor of Madhya Pradesh in 1965 and held that office till 1971.

Shri A.K. Chanda, former Deputy Minister for External Affairs and Housin, died in the last week of April at the age of 70.

Shri Takhatmal Jain, former Chief Minister of Madhya Pradesh, also died on 7th June, 1976, at the age of 82. He also served as a Minister in Madhya Pradesh Government and was also Gerneral Secretay, All India Congress Committee.

Shri K.Subba Rao, former Chief Justice of India, died of a heart attack on May 6, 1976. He became Chief Justice of Andhra Pradesh High Court in 1954 and became a Judge of Superme Court in 1958 and Chief Justice of India in 1966.

Dr. Amir Singh Kalkat, Member, Punjab Vidhan Sabha, from Hosiarpur District, also died in the first week of March. He served as Chairman of Financial committees and was the Chairman of the Privileges Committee of Punjab Vidhan Sabha.

I fully associate myself with the deep feelings that have been expressed about the passing away of these great personalities. I shall no doubt convey the sympathies of this House to the bereaved families. Now I request you to kindly observe silence for two minutes while standing as mark of respect to the Deceased.

(At this stage, the House stood in silence for two minutes as a mark of respect to the memory of the deceased.)

मुख्यमंत्री (श्री बनारसी दास): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:—

कि स्वर्गीय श्री वीरेन्द्र सिंह नारायण चक्रवर्ती तथा अन्य नेताओं जिनके नाम इस सूची में दर्ज हैं, की पुण्य स्मृति के प्रति सम्मान के प्रतीक के रूप में सदन आज के लिए स्थगित कर दिया जाएं।

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 2.00 p.m. tomorrow.

***15.40 बजे**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m. on Tuesday, the 6th July, 1976.